कमल संदेश

वर्ष-18, अंक-12 16-30 जून, 2023 (पाक्षिक) ₹20

मोदी सरकार ने 'ऐतिहासिक उपलब्धियां' हासिल कीं

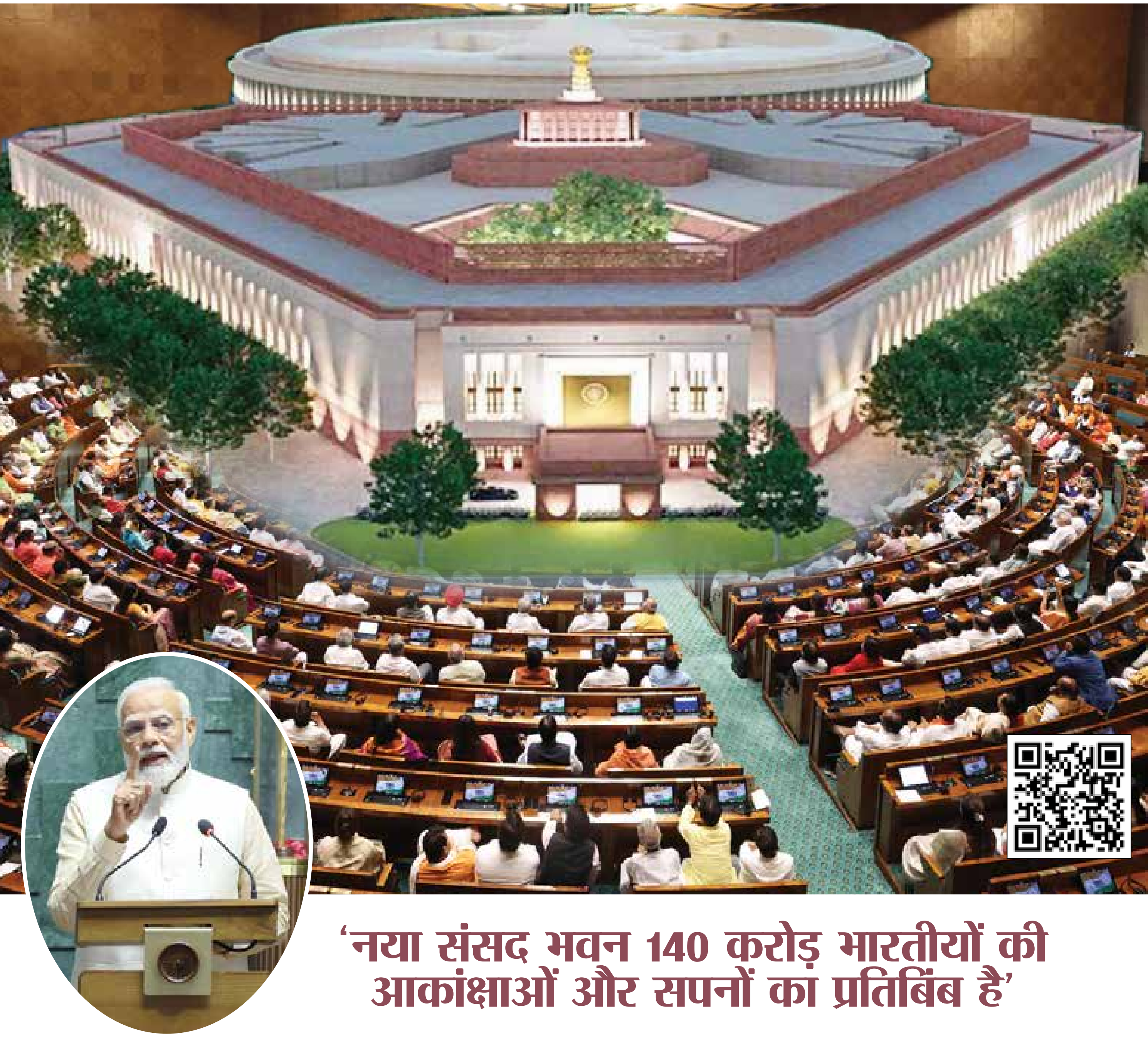

'नया संसद भवन 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है'

नई दिल्ली में 28 मई, 2023 को भाजपा मुख्यमंत्री परिषद् की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 05 जून, 2023 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पौधारोपण करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 09 जून, 2023 को भाजपा राष्ट्रीय महामंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 09 जून, 2023 को दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय का शिलान्यास करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

असम में 25 मई, 2023 को सफल उम्मीदवारों को 44,703 नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में 23 मई, 2023 को 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 ‘नया संसद भवन एक नए, समृद्ध, मजबूत और विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा’

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो अमर होते हैं। कुछ तिथियां समय के चेहरे पर अमर हस्ताक्षर बन जाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 मई...

12 ‘हर निर्णय, हर कदम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया गया है’

पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार एक ‘नया भारत’...

14 भाजपा सरकार के 9 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मई, 2023 को राजस्थान के अजमेर में एक...

20 भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय का शिलान्यास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 09 जून, 2023 को नई दिल्ली...

24 मणिपुर हिंसा की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग गठित किया जायेगा: अमित शाह

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने एक जून को अपनी चार दिवसीय...

वैचारिकी

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा / **अटल बिहारी वाजपेयी** 26

लेख

मोदी सरकार ने परिवर्तन के लिए कैसे आवश्यक चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है / **निर्मला सीतारमण** 28

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती—समय की मांग / **राजकुमार चाहर** 30

अन्य

पवित्र ‘सेंगोल’ 08

‘टिफिन बैठकें पार्टी कार्यकर्ताओं में एकता और मैत्रीपूर्ण भाव पैदा करती हैं’ 17

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक ‘अमृतकाल की ओर’ का लोकार्पण 20

केन्द्रीय गृह मंत्री ने असम में 44,703 सफल उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र किए वितरित 21

भारत बना हुआ है तीव्र आर्थिक वृद्धि वाला देश, 2022-23 में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर 22

मोदी स्टोरी 25

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने की बातचीत 25

प्रधानमंत्री ने ओडिशा का दौरा किया और दु:खद रेल दुर्घटना के बाद बचाव और राहत कार्यों की समीक्षा की 32

मन की बात 33

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ. प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज देश में हर तरफ विकास की जो धारा बह रही है, वो इसलिए संभव हो पाई है, क्योंकि हम कांग्रेस की लूट के सभी रास्तों को बंद करने में निरंतर जुटे हैं।

(31 मई, 2023)

जगत प्रकाश नड्डा

आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने विपणन वर्ष 2023-24 में खरीफ फसलों के लिए 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' (MSP) बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे फसल विविधीकरण के प्रयासों को बढ़ावा मिलेगा और किसान भाइयों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त होगा। कृषक कल्याण को समर्पित इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्रीजी का आभार प्रकट करता हूं।

(7 जून, 2023)

अमित शाह

मोदी सरकार के 9 वर्ष सुरक्षा, राष्ट्रीय गौरव, विकास व गरीब कल्याण के अभूतपूर्व संयोजन के 9 वर्ष रहे हैं। आज एक ओर मोदीजी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। और विश्व में गौरव के नए आयाम बना रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार ने विकास व गरीब कल्याण के नए मापदंड स्थापित किये हैं!

(30 मई, 2023)

राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हम 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के साथ रक्षा क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

(2 जून, 2023)

बी.एल. संतोष

उनकी (राहुल गांधी) हर यात्रा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरोध की आड़ में भारत विरोधी अभियान के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती है, ऐसा लगता है कि भारत विरोधी, हिंदू विरोधी ताकतों का यूपीए (यूनिवर्सल प्रोग्रेसिव एलायंस) बनाने का प्रयास किया जा रहा है। निराशजनक।

(31 मई, 2023)

सर्बानंद सोनोवाल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को नई स्वीकृति और लोकप्रियता मिली है। आयुष एक वैश्विक जन आंदोलन बन रहा है और जमीनी स्तर पर सस्ती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहा है।

(8 जून, 2023)

कमल संदेश परिवार की ओर से
सुधी पाठकों को
जगन्नाथ रथ यात्रा (20 जून)
की हार्दिक शुभकामनाएं!

संपादकीय

विकसित भारत की प्रेरणा 'नया संसद भवन'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन के साथ ही मोदी सरकार की अद्भुत उपलब्धियों में एक नया अध्याय जुड़ गया। यह एक ऐसा भवन है जिसमें विरासत एवं आधुनिकता का संगम है, अत्याधुनिक सुविधाओं एवं भविष्योन्मुखी दृष्टि से युक्त है तथा उत्कृष्ट वास्तुकला एवं भारतीय भव्यता का उदाहरण है। नए संसद भवन के उद्घाटन से हर भारतीय का हृदय एक बार फिर गौरव एवं उपलब्धियों के भाव से भर गया है। इससे हर भारतीय का विश्वास एक नए भारत, जो आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित होगा, पर और अधिक दृढ़ हुआ है। नया संसद भवन न केवल भारतीय लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण है, वरन् यह भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं उसकी मजबूती एवं गतिशीलता का उत्सव भी मना रहा है। यह उस चमत्कारिक परिवर्तन को भी दर्शाता है, जिसने करोड़ों स्वप्नों का आकार दिया है, अनेक संकल्पों को सिद्ध करते हुए नई आकांक्षाओं को पल्लवित किया है। एक ओर जहां इससे लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास और अधिक बढ़ा है, वहीं दूसरी ओर पूरा विश्व भी इससे प्रेरणा ले रहा है। सच में यह राष्ट्रीय गौरव बन चुका है।

नया संसद भवन न केवल भारतीय लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण है, वरन् यह भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं उसकी मजबूती एवं गतिशीलता का उत्सव भी मना रहा है

आज जब भारत स्वयं को नए संसद भवन का उपहार दे रहा है, पूरा विश्व भारत की उपलब्धियों से चमत्कृत है। यदि नौ वर्ष पीछे मुड़कर देखा जाए, तब इस अवसर की कल्पना भी कर पाना असंभव प्रतीत होता था। आज जब पूरा देश मोदी सरकार के नौ वर्ष की गौरवमयी यात्रा का उत्सव मना रहा है, कांग्रेसनीत यूपीए काल का दुःस्वप्न अभी भी देश भूला नहीं है। कांग्रेसनीत यूपीए काल का कुशासन, भ्रष्टाचार, जनता के धन की लूट, पॉलिसी पैरालिसिस तथा घुटनाटेक रक्षा नीति से पूरे देश में नकारात्मक एवं निराशा का वातावरण बन गया था। फलतः लोगों का विश्वास देश की राजनैतिक व्यवस्था एवं राजनेताओं पर से उठने लगा था। हर दिन समाचार पत्रों में एक नया घोटाला, अर्थव्यवस्था की बिगड़ती हालात, गिरती विकास दर एवं दहाई आंकड़ों की मुद्रास्फीति जनजीवन में निराशा ला रही थी। स्थिति यह थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व की सबसे कमजोर अर्थव्यवस्था, 'फ्रेजाइल फाइव' में गिना जा रहा था, सीमा पार से आतंकी गिरोह देश में घुसपैठ कर रहे थे तथा कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीतियों से देश में अलगाववाद का विषबेल पनप रहा था। परिस्थितियां अत्यंत प्रतिकूल थीं एवं पूरा देश निराशा के अंधकार में डूबा हुआ था।

पिछले नौ वर्षों की 'फ्रेजाइल फाइव' से 'टॉप फाइव' की यात्रा व्यापक परिवर्तन, लक्षित सुधार एवं 'परफॉर्मेंस की राजनीति' के सुदृढ़ीकरण का परिणाम है। आज निराशाजनक वैश्विक वातावरण में विश्व की सबसे तेज विकास दर वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत एक आशा की किरण बनकर उभरा है। 'पोस्ट-कोविड' विश्व में आज भारत को विकास के इंजन के रूप में देखा और सराहा जा रहा है। आज, कोई भी यदि पिछले नौ वर्षों का अवलोकन करता है तो पाता है कि देश में हर क्षेत्र चमत्कारिक परिवर्तन एवं आश्चर्यजनक उपलब्धियों से भरा पड़ा है। आंकड़े एक नए भारत के उदय का प्रमाण दे रहे हैं। अनेक अभिनव योजनाओं एवं प्रभावी क्रियान्वयन के कारण समाज के कमजोर वर्गों में एक नया आत्मविश्वास जागृत हुआ है, जिससे उनके जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन आया है। गरीब, किसान, मजदूर, अनु.जाति, अनु.जनजाति, पिछड़ा, पीड़ित, शोषित, वंचित महिला एवं युवा-हर वर्ग को एक नई आवाज एवं अनेक नए अवसर प्राप्त हुए हैं और अब वे सिर उठाकर जी रहे हैं। गांव से लेकर शहर तक, कृषि से लेकर कल-कारखानों तक, हस्तशिल्प से लेकर डिजिटल दुनिया तक, भारत हर क्षेत्र में एक नए आत्मविश्वास के साथ सफलता की नई गाथा लिख रहा है।

आज जब 'अमृतकाल' में देश 'पंच-प्रण' को हृदय में बिठाए आगे बढ़ रहा है, विकसित भारत का स्वप्न अब अधिक दूर नहीं लगता। पिछले नौ वर्षों में, कई विपरीत परिस्थितियों में, चाहे कोविड वैश्विक महामारी का दौर हो या विकास विरोधी विपक्ष की नकारात्मक भूमिका रही हो, भारत ने स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक अद्भुत उपलब्धियां अर्जित की हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आज जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में अमृतकाल का संकल्प सिद्ध होगा, भारत की चमत्कारिक उपलब्धियां विश्व के लिए प्रेरणा बन रही हैं। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री ने नया संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया

'नया संसद भवन एक नए, समृद्ध, मजबूत और विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को विधिपूर्वक पूजा व हवन करने के बाद नवनिर्मित संसद भवन राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित संसद भवन में पूर्व-पश्चिम दिशा की ओर मुख करके शीर्ष पर नंदी के साथ सेंगोल को स्थापित किया। उन्होंने दीप प्रज्वलित किया और सेंगोल को पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर श्री मोदी ने 75 रुपये का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रत्येक राष्ट्र के इतिहास में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो अमर होते हैं। कुछ तिथियां समय के चेहरे पर अमर हस्ताक्षर बन जाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 मई, 2023 एक ऐसा ही दिन है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने अमृत महोत्सव के लिए खुद को उपहार दिया है। श्री मोदी ने इस गौरवशाली अवसर पर सभी को बधाई दी।

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि यह केवल एक भवन नहीं है, बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि ये विश्व को भारत के दृढ़ संकल्प का संदेश देता हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। श्री मोदी ने कहा कि यह नया संसद भवन योजना को वास्तविकता से, नीति को कार्यान्वयन से, इच्छाशक्ति को निष्पादन से और संकल्प को सिद्धि से जोड़ता है। यह स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का माध्यम बनेगा। यह 'आत्मनिर्भर भारत' के सूर्योदय का साक्षी बनेगा और एक विकसित भारत का निर्माण होता देखेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह नया भवन प्राचीन और आधुनिक के सह-अस्तित्व का उदाहरण है।

श्री मोदी ने कहा कि नए मॉडल केवल नए मार्गों पर चलकर ही स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि नया भारत नए लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है और नए पथ प्रशस्त कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि एक नई ऊर्जा, नया जोश, नया उत्साह, नई सोच और एक नई यात्रा है। नई दृष्टि, नई दिशाएं, नए संकल्प और एक नया विश्वास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व भारत के संकल्प, उसके नागरिकों के उत्साह और भारत में मानव शक्ति के जीवन को सम्मान और आशा की दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने कहा कि जब भारत आगे बढ़ता है, तो विश्व आगे बढ़ता है। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि संसद का यह नया भवन भारत के विकास से विश्व के विकास का भी आह्वान करेगा।

प्रधानमंत्री ने पवित्र सेंगोल की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि महान चोल साम्राज्य में सेंगोल को सेवा कर्तव्य और राष्ट्र के पथ के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि राजाजी और अधीनम के मार्गदर्शन में यह सेंगोल सत्ता के हस्तांतरण का पवित्र प्रतीक बन गया। श्री मोदी ने एक बार फिर आज सुबह इस अवसर

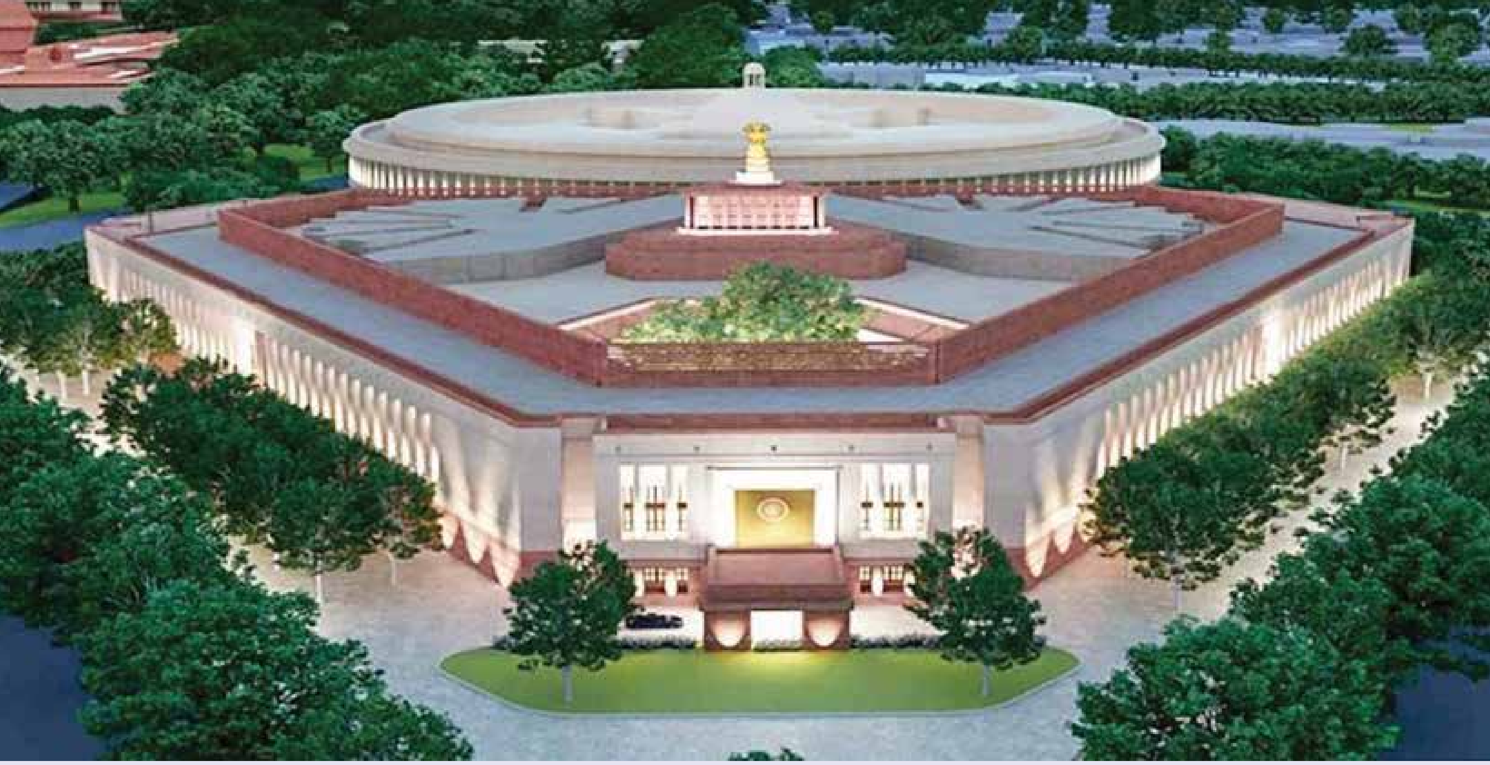

पर आशीर्वाद देने आए अधीनम संतों को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस पवित्र सेंगोल की गरिमा को बहाल कर सके। जब भी इस संसद भवन में कार्यवाही शुरू होगी, सेंगोल हम सभी को प्रेरणा देता रहेगा।

भारत लोकतंत्र की जननी

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जननी भी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र वैश्विक लोकतंत्र के लिए प्रमुख आधार है। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि लोकतंत्र केवल एक प्रणाली नहीं है जो भारत में प्रचलित है, बल्कि यह एक संस्कृति, विचार और परंपरा है। वेदों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि यह हमें लोकतांत्रिक सभाओं और समितियों के सिद्धांतों का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने महाभारत का भी उल्लेख किया जहां एक गणतंत्र का वर्णन किया गया है और कहा कि भारत ने वैशाली में गणतंत्र को जीया है और उसकी अनुभूति की है।

श्री मोदी ने कहा कि भगवान बसवेश्वर का अनुभव मंटप्पा हम सभी के लिए गर्व की बात है। तमिलनाडु में पाए गए 900 ईस्वी के शिलालेखों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आज के दिन और युग में भी सभी को आश्चर्यचकित करता है। श्री मोदी ने कहा कि हमारा लोकतंत्र ही हमारी प्रेरणा है, हमारा संविधान ही हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस प्रेरणा, इस संकल्प की सबसे श्रेष्ठ प्रतिनिधि, हमारी ये संसद ही है।

एक श्लोक का वर्णन करते हुए श्री मोदी ने व्याख्या की कि भाग्य उन लोगों के लिए समाप्त हो जाता है जो आगे बढ़ना बंद कर देते हैं, लेकिन जो आगे बढ़ते रहते हैं उनका भाग्य निरंतर ऊंची उड़ान भरता रहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्षों की गुलामी और बहुत कुछ खोने के बाद भारत ने फिर से अपनी नई यात्रा शुरू की और अमृत काल में पहुंच गया। उन्होंने कहा कि अमृत काल हमारी धरोहर को संरक्षित करते हुए विकास के नए आयामों को गढ़ने का काल है। यह अमृत काल देश को नई दिशा देने वाला है। यह असंख्य आकांक्षाओं को पूरा करने वाला अमृत काल है। एक श्लोक के माध्यम से लोकतंत्र के लिए नए जीवनरक्त की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र का कार्यस्थल यानी संसद भी नई और आधुनिक होनी चाहिए।

आत्मविश्वास से भरा 21वीं सदी का भारत

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की समृद्धि और वास्तुकला के स्वर्णिम काल का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सदियों की गुलामी ने हमारा यह गौरव छीन लिया। श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत आत्मविश्वास से भरा है। उन्होंने कहा कि आज का भारत गुलामी की मानसिकता को पीछे छोड़कर कला के उस प्राचीन वैभव को अपना रहा है। यह नया संसद भवन इस प्रयास का जीता-जागता उदाहरण है। श्री मोदी ने कहा कि हम इस इमारत के कण-कण में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना का अवलोकन करते हैं।

प्रधानमंत्री ने पुराने संसद भवन में काम करने में सांसदों के सामने आने वाली कठिनाइयों की ओर इंगित किया और सदन में तकनीकी सुविधाओं की कमी और सीटों की कमी के कारण विद्यमान चुनौतियों का उदाहरण दिया। श्री मोदी ने कहा कि एक नई संसद की आवश्यकता पर दशकों से चर्चा की जा रही थी और यह समय की मांग थी कि एक नई संसद का विकास किया जाए। उन्होंने प्रसन्नता जताई की कि नया संसद भवन नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है और सभा कक्ष भी सूरज की रोशनी से भरे-पूरे हैं।

सेंगोल को लोकतंत्र के मंदिर में उसका योग्य स्थान मिल रहा है: नरेन्द्र मोदी

नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना से पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 27 मई को आदीनम् संतों ने आशीर्वाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के समय सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक को लेकर सवाल उठा था और इस संबंध में अलग-अलग परंपराएं थीं। उन्होंने कहा कि उस समय आदीनम् और राजाजी के मार्गदर्शन में हमें अपनी पवित्र प्राचीन तमिल संस्कृति से एक सौभाग्यशाली मार्ग मिला— सेंगोल के माध्यम से सत्ता हस्तांतरण का मार्ग। श्री मोदी ने कहा कि सेंगोल ने सदा व्यक्ति को ये याद दिलाया कि उसके ऊपर देश के कल्याण की जिम्मेदारी है और वह कर्तव्य पथ से कभी पीछे नहीं हटेगा।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से राजाजी और अन्य विभिन्न आदीनम् संतों की दूरदर्शिता को नमन किया और उस सेंगोल पर प्रकाश डाला, जिसने सैकड़ों वर्षों की गुलामी के हर प्रतीक से आजाद होने की शुरुआत की थी। श्री मोदी ने रेखांकित किया कि यह सेंगोल ही था, जिसने स्वतंत्र भारत को गुलामी से पहले मौजूद रहे इस देश के कालखंड से जोड़ा और यही 1947 में देश के स्वतंत्र होने पर सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक बना।

उन्होंने कहा कि सेंगोल का एक और महत्व यह है कि यह भारत के अतीत के गौरवशाली वर्षों और परंपराओं को स्वतंत्र भारत के भविष्य से जोड़ता है। प्रधानमंत्री ने दुःख जताया कि पवित्र सेंगोल को वह सम्मान नहीं मिला, जिसका वह हकदार था और इसे प्रयागराज के आनंद भवन में ही छोड़ दिया गया, जहां इसे सहारा लेकर चलने वाली छड़ी की तरह प्रदर्शित किया गया। यह मौजूदा सरकार ही है जिसने सेंगोल को आनंद भवन से बाहर निकाला।

इसके साथ ही श्री मोदी ने कहा कि हमारे पास नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना के दौरान भारत की स्वतंत्रता के प्रथम पल को पुनर्जीवित करने का अवसर है। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि सेंगोल को लोकतंत्र के इस मंदिर में उसका उचित स्थान मिल रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत की महान परंपराओं के प्रतीक सेंगोल को नए संसद भवन में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने टिप्पणी की कि सेंगोल हमें अपने कर्तव्य पथ पर निरंतर चलने और जनता के प्रति जवाबदेह रहने की याद दिलाता रहेगा।

पवित्र सेंगोल को पुनर्स्थापित करने के लिए मैं प्रधानमंत्रीजी को धन्यवाद देता हूं: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने ट्वीट संदेश में नए संसद भवन के उद्घाटन के ऐतिहासिक अवसर पर पवित्र सेंगोल स्थापित करने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय की जमकर सराहना की।

श्री नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि पवित्र सेंगोल राष्ट्रीय महत्व का है और ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। यह पहली बार पं. जवाहरलाल नेहरू द्वारा 14 अगस्त, 1947 को श्री राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं की उपस्थिति में विशेष रूप से तमिलनाडु से आए पुजारियों से प्राप्त किया गया था।

उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने से ठीक पहले शासक के लिए भगवान शिव के आशीर्वाद का आह्वान करने वाली थेवरम पाठ के 11 छंदों के साथ सेंगोल स्थापित करने की पवित्र तमिल परंपरा को निभाया गया। यह ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन से भारतीय प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है। सेंगोल, शासन करने के लिए सर्वोच्च नैतिक अधिकार का प्रतिनिधित्व करता है। मैं प्रधानमंत्री को हमारे इतिहास के इस बहुत महत्वपूर्ण पहलू को वापस लाने के लिए धन्यवाद देता हूं कि एक विदेशी शासक से भारत के लोगों को सत्ता का हस्तांतरण प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक प्रक्रिया के माध्यम से हुआ था, जैसाकि प्राचीन भारत में जाना जाता है। यह उत्तर से दक्षिण तक भारत के भावनात्मक और आध्यात्मिक एकीकरण का प्रमाण है।

श्री नड्डा ने कहा कि भारत की आजादी की पूर्व संध्या पर हुए कार्यक्रम को याद करने के लिए 'आजादी का अमृत महोत्सव' से बेहतर कोई अवसर नहीं है और पवित्र सेंगोल के लिए नई संसद के पवित्र द्वार से बेहतर कोई जगह नहीं है।

पवित्र 'सेंगोल' अंग्रेजों से भारत को सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक है: अमित शाह

यह वही पवित्र सेंगोल है जिसे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू ने 14 अगस्त, 1947 की रात को अपने आवास पर कई नेताओं की उपस्थिति में स्वीकार किया था। भारत की आजादी के उपलक्ष्य में हुए पूरे कार्यक्रम को याद करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज आजादी के 75 साल बाद भी अधिकांश भारत को इस घटना के बारे में जानकारी नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि 14 अगस्त, 1947 की रात को वह एक विशेष अवसर था, जब जवाहर लाल नेहरू जी ने तमिलनाडु के थिरुवदुथुराई आधीनम (मठ) से विशेष रूप से पधारे आधीनमों (पुरोहितों) से सेंगोल ग्रहण किया था। पंडित नेहरू के साथ सेंगोल का निहित होना ठीक वही क्षण था, जब अंग्रेजों द्वारा भारतीयों के हाथों में सत्ता का हस्तांतरण किया गया था। हम जिसे स्वतंत्रता के रूप में मना रहे हैं, वह वास्तव में यही क्षण है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने आगे सेंगोल के बारे में विस्तार से बताया। सेंगोल का गहरा अर्थ होता है। 'सेंगोल' शब्द तमिल शब्द सेम्मई से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'नीतिपरायणता'। इसे तमिलनाडु के एक प्रमुख धार्मिक मठ के मुख्य आधीनम (पुरोहितों) का आशीर्वाद प्राप्त है। 'न्याय' के प्रेक्षक के रूप में अपनी अटल दृष्टि के साथ देखते हुए हाथ से उत्कीर्ण नंदी इसके शीर्ष पर विराजमान हैं।

श्री शाह ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सेंगोल को ग्रहण करने वाले व्यक्ति को न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रूप से शासन करने का 'आदेश' (तमिल में 'आणई') होता है और यह बात सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली है। लोगों की सेवा करने के लिए चुने गए लोगों को इसे कभी नहीं भूलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक 'सेंगोल' के लिए संसद भवन ही सबसे अधिक उपयुक्त और पवित्र स्थान है। 'सेंगोल' की स्थापना 15 अगस्त, 1947 की भावना को अविस्मरणीय बनाती है। यह असीम आशा, अनंत संभावनाओं और एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है। यह अमृतकाल का प्रतिबिंब होगा, जो नए भारत को विश्व में अपने यथोचित स्थान को ग्रहण करने के गौरवशाली क्षण का साक्षी बनेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने सेंगोल के बारे में विवरण और डाउनलोड करने योग्य वीडियो के साथ एक विशेष वेबसाइट https://sengol1947.ignca.gov.in को भी लॉन्च किया। ■

नई संसद में श्रमिकों का योगदान अमर

नई संसद के निर्माण में योगदान देने वाले 'श्रमिकों' के साथ अपनी बातचीत का स्मरण करते हुए श्री मोदी ने बताया कि संसद के निर्माण के दौरान 60,000 श्रमिकों को रोजगार दिया गया था और उनके योगदान को रेखांकित करते हुए सदन में एक नई दीर्घा बनाई गई है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि नई संसद में श्रमिकों के योगदान को अमर कर दिया गया है।

पिछले 9 वर्षों की चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कोई भी विशेषज्ञ इन 9 वर्षों को पुनर्निर्माण और गरीब कल्याण के वर्षों के रूप में मानेगा। उन्होंने कहा कि नए भवन के लिए गर्व के क्षण में निर्धनों के लिए 4 करोड़ घरों के लिए भी उन्हें संतोष का अनुभव हुआ। इसी तरह श्री मोदी ने 11 करोड़ शौचालय, गांवों को जोड़ने के लिए 4 लाख किमी से अधिक सड़कों, 50 हजार से अधिक अमृत सरोवरों और 30 हजार से अधिक नए पंचायत भवनों जैसे कदमों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंचायत भवनों से लेकर संसद तक केवल एक प्रेरणा ने हमारा मार्गदर्शन किया और वो है राष्ट्र और उसके लोगों का विकास।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रत्येक देश के इतिहास में एक समय आता है जब उस देश की चेतना जागृत होती है। उन्होंने रेखांकित किया कि स्वतंत्रता से 25 वर्ष पूर्व गांधीजी के असहयोग आंदोलन के दौरान भारत में ऐसा समय आया था, जिसने पूरे देश को एक विश्वास से भर दिया था। श्री मोदी ने कहा कि गांधीजी ने स्वराज के संकल्प से हर भारतीय को जोड़ा था। यह वह समय था जब हर भारतीय स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा था। उन्होंने कहा कि इसका परिणाम 1947 में भारत की स्वतंत्रता थी।

श्री मोदी ने कहा कि आज़ादी का अमृत काल स्वतंत्र भारत में एक चरण है जिसकी तुलना ऐतिहासिक अवधि से की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत अगले 25 वर्षों में अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा जो कि 'अमृत काल' है। श्री मोदी ने इन 25 वर्षों में प्रत्येक नागरिक के योगदान से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि भारतीयों का विश्वास केवल राष्ट्र तक ही सीमित नहीं है। श्री मोदी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने उस समय विश्व के कई देशों में एक नई चेतना जगाई थी।

उन्होंने कहा कि जब विविधताओं से भरा भारत जैसा देश, विभिन्न चुनौतियों से निपटने वाली विशाल आबादी वाला देश, एक विश्वास के साथ आगे बढ़ता है तो इससे विश्व के कई देशों को प्रेरणा मिलती है। आने वाले दिनों में भारत की हर उपलब्धि विश्व के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग देशों के लिए उपलब्धि बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत की जिम्मेदारी अब बड़ी हो गई है, क्योंकि विकसित होने का इसका संकल्प कई अन्य देशों की शक्ति बन जाएगा।

प्रधानमंत्री ने नए संसद भवन का निर्माण करने वाले श्रमिकों को किया सम्मानित

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को नई संसद का निर्माण करने वाले श्रमिकों से बातचीत की और उन्हें सम्मानित किया। श्रमिकों के योगदान को यादगार बनाने के उद्देश्य से नए संसद भवन में नई गैलरी बनाई गई है। श्री मोदी ने ट्वीट किया कि आज, हम अपनी संसद के नए भवन का उद्घाटन कर रहे हैं, हम श्रमिकों को उनके अथक समर्पण और शिल्प कौशल के लिए भी सम्मानित कर रहे हैं।

देश के विश्वास को सुदृढ़ करेगा नया संसद भवन

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि नया संसद भवन अपनी सफलता में देश के विश्वास को सुदृढ़ करेगा और सभी को एक विकसित भारत की ओर प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें कर्तव्य पथ को सर्वोपरि रखना होगा। हमें अपने आचरण में निरन्तर सुधार करते हुए एक उदाहरण बनना होगा। हमें अपने रास्तों का निर्माण खुद करना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि नई संसद विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई ऊर्जा और शक्ति देगी।

उन्होंने कहा कि हमारे श्रमजीवियों ने संसद को इतना भव्य बना दिया है, लेकिन अपने समर्पण से इसे दिव्य बनाने की जिम्मेदारी अब सांसदों की है। संसद के महत्व पर बल देते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प है, जो संसद को पवित्र करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहां लिया गया हर निर्णय आने वाली सदियों की शोभा बढ़ाएगा और आने वाली पीढ़ियों को सुदृढ़ करेगा।

नया संसद भवन गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित

प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि निर्धनों, दलितों, पिछड़ों, जनजातीय, दिव्यांगों और समाज के हर वंचित परिवार के सशक्तीकरण का रास्ता वंचितों के विकास को प्राथमिकता देने के साथ-साथ इस संसद से होकर गुजरेगा। श्री मोदी ने कहा कि इस नए संसद भवन की हर ईंट, हर दीवार, हर कण गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित होगा।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि अगले 25 वर्षों में इस नए संसद भवन में बनने वाले नए कानून भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाएंगे, गरीबी को भारत से बाहर निकालने में मदद करेंगे और देश के युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित करेंगे।

संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि संसद का नया भवन एक नए, समृद्ध, मजबूत और विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह एक ऐसा भारत है जो नीति, न्याय, सच्चाई, गरिमा और कर्तव्य के मार्ग पर चलता है और मजबूत बनता है।

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला और राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। ■

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी किया 75 रुपये का सिक्का

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को नए संसद भवन के उद्घाटन पर 75 रुपये का सिक्का और डाक टिकट जारी किया। उन्होंने नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष में आयोजित उद्घाटन समारोह में सिक्का और डाक टिकट जारी किया। ■

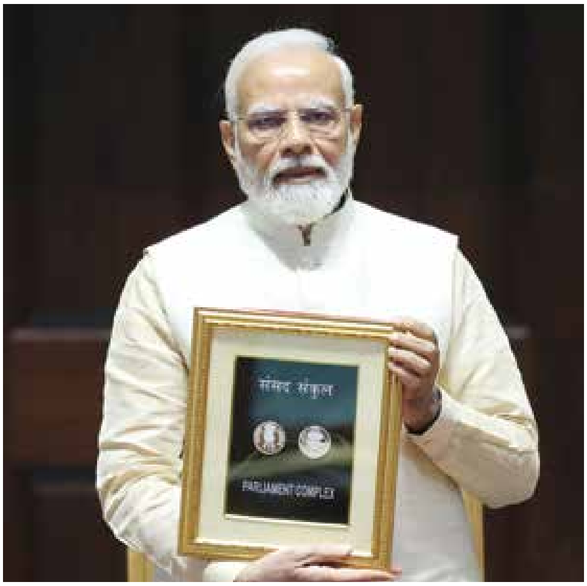

नवनिर्मित संसद भवन की मुख्य विशेषताएं

- त्रिभुजाकार में बना चार मंजिला नया संसद भवन का निर्मित क्षेत्र 64,500 वर्ग मीटर है। भवन के तीन मुख्य द्वार— ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार हैं।
- नए संसद भवन में एक भव्य संविधान हॉल बनाया गया है, जिसमें भारत की प्राचीन संस्कृति, लोकतांत्रिक परंपराओं को प्रदर्शित किया गया है।
- नई लोकसभा में 888 और राज्यसभा में 384 सीटों की व्यवस्था है। नए भवन में संयुक्त सत्र के लिए 1,272 सीटें होंगी।
- लोकसभा की आंतरिक सज्जा की थीम राष्ट्रीय पक्षी मोर और राज्यसभा की थीम राष्ट्रीय फूल कमल पर आधारित है।
- संसद परिसर में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद है।
- नया संसद भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। हर सांसद की सीट के आगे मल्टीमीडिया डिस्प्ले लगा हुआ है।
- नए संसद भवन में थर्मल इमेजिंग सिस्टम और फेस रिकग्निशन सिस्टम वाले कैमरे लगाए गए हैं। नए संसद भवन को फूलप्रूफ साइबर सिस्टम से लैस किया गया है।
- नए भवन में देश के विभिन्न हिस्सों की विशिष्टताओं को शामिल किया गया है।

नई दिल्ली में 28 मई, 2023 को नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह के दौरान डाक टिकट जारी करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला और राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश

'हर निर्णय, हर कदम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निर्देशित किया गया है'

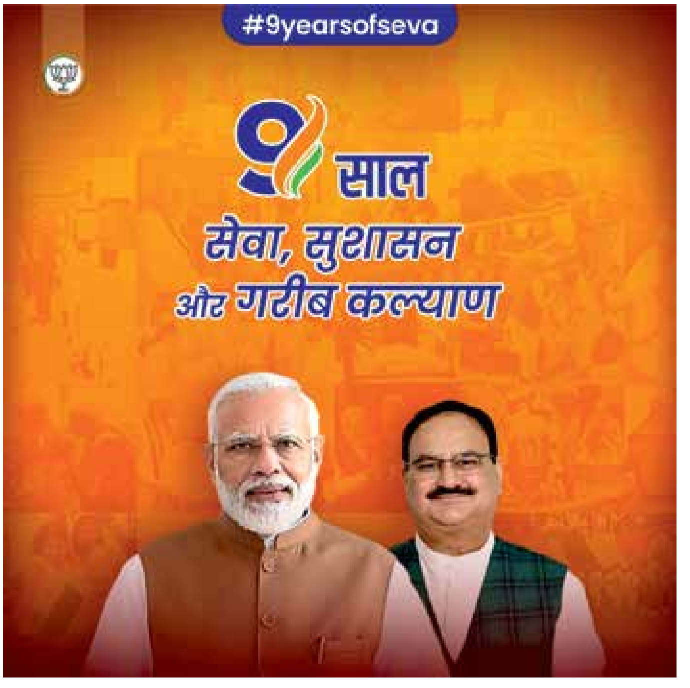

केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 30 मई, 2023 को सफलतापूर्वक नौ साल पूरे कर लिए और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 31 मई से 30 जून तक एक महीने के मेगा आउटरीच कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान मुख्य फोकस अत्यधिक सफल सार्वजनिक सेवा, सुशासन और कल्याणकारी योजना एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की नीतियां पर होगा। जनसंपर्क कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर में एक विशाल रैली को संबोधित किया। पार्टी देश भर में ऐसी 51 मेगा रैलियों का आयोजन करेगी और इनमें से कई रैलियों को प्रधानमंत्री श्री मोदी भी संबोधित करेंगे। जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी देश भर में 543 लोकसभा सीटों और 4,000 से अधिक विधानसभा सीटों को समाहित करने वाले 144 क्लस्टर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी

पिछले नौ वर्षों में मोदी सरकार एक 'नया भारत' बनाने और गरीबों के कल्याण एवं सशक्तीकरण के लिए समर्पित रही है। आज पूरी दुनिया कह रही है कि 21वीं सदी भारत की है। पिछले नौ वर्षों में भारत नीतिगत पंगुता से निर्णायक नीति निर्माण की ओर बढ़ा है, जबकि हमारी अर्थव्यवस्था 'फ्रेजाइल फाइव' से अब 'टॉप फाइव' के रूप में स्थापित हुई है। पिछले नौ वर्षों में भारत के लोगों ने 'एक परिवार और अपना विकास' की राजनीति को त्याग कर सबका साथ, सबका विकास' की नीति को अपनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जातिवाद, वंशवाद, भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त कर विकास, जवाबदेही और पारदर्शिता की राजनीति की स्थापना की है।

केंद्र में नौ साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर वे विनम्रता और कृतज्ञता से भरे हुए हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्र में नौ वर्ष पूरे होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। एक ट्विटर संदेश में श्री मोदी ने कहा, "आज, जब हम राष्ट्र की सेवा में 9 साल पूरे कर रहे हैं, मैं विनम्रता और कृतज्ञता से भर गया हूं। हर निर्णय, उठाया गया हर कदम, लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की इच्छाशक्ति द्वारा निर्देशित है। विकसित भारत के निर्माण के लिए हम और भी अधिक मेहनत करते रहेंगे।

उन्होंने 9years.narendramodi.in पर लोगों को मोदी सरकार की नौ साल की यात्रा के बारे में जानने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि देश के विकास के लिए अटूट समर्पण के 9 साल। हमारी विकास यात्रा की एक झलक पाने के लिए मैं सभी को इस साइट https://nm-4.com/9yrsofseva पर जाने के लिए आमंत्रित करता हूं। यह इस बात की जानकारी भी देती है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं से लोगों को कैसे लाभ हुआ है।

मोदी सरकार ने 'ऐतिहासिक उपलब्धियां' हासिल कीं: जगत प्रकाश नड्डा

मोदी सरकार ने केंद्र में अपने नौ वर्षों के दौरान ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं और भारत पूरे विश्वास, उत्साह और विकसित देश बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपनी नीतियों में अंत्योदय और सेवा के संकल्प को सर्वोपरि रखते हैं और भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

उन्होंने कहा किभ श्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के नौ साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता, सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी जरूरतें देश के दूरदराज इलाकों तक पहुंचीं।

श्री नड्डा ने ट्वीट किया, "सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सुनिश्चित हो रही हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, आर्थिक स्वावलंबन, सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों की पहुंच सुदूर क्षेत्रों तक हुई है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना से प्रेरित हमारी सरकार ने अनेक युगांतरकारी निर्णयों से भारत के भाग्य व भविष्य को नई दिशा दी है।"

आजादी के अमृत काल को लेकर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा "आजादी के अमृतकाल' में आज देश विकसित भारत के संकल्प के साथ पूर्ण आत्मविश्वास व उत्साह से उत्कर्ष के पथ पर अग्रसर है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'पंच प्रण' का संकल्प हमें मार्ग दिखाता है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी, जिसकी भयावह आपदा से दुनिया के अनेक विकसित देश आज भी उभर नहीं पाये हैं, भारत तेज गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।" ■

'संपर्क से समर्थन' अभियान

5 जून, 2023 को एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) श्री डेन्जिल कीलोर से जे-1184, सेक्टर 1, पालम विहार, गुरुग्राम में भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

5 जून, 2023 को पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल श्री दलबीर सिंह सुहाग से 38, डियरवुड निर्वाण कंट्री, सेक्टर 50, गुरुग्राम में भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

5 जून, 2023 को लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री एएस लांबा से सी-101, साउथ सिटी-2, सेक्टर 49, गुरुग्राम में भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा सरकार के 9 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 मई, 2023 को राजस्थान के अजमेर में एक विशाल रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा, "ब्रह्मा जी के आशीर्वाद से आज भारत में नव-निर्माण का दौर चल रहा है। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 9 साल भी पूरे हो गए हैं। भाजपा सरकार के 9 साल देशवासियों की सेवा के रहे हैं। भाजपा सरकार के 9 साल, सुशासन के रहे हैं। भाजपा सरकार के 9 साल, गरीब कल्याण के लिए समर्पित रहे हैं।"

कांग्रेस का सबसे बड़ा विश्वासघात

श्री मोदी ने कहा कि 50 साल पहले कांग्रेस ने इस देश को गरीबी हटाने की गारंटी दी थी। ये गरीबों के साथ किया गया कांग्रेस का सबसे बड़ा विश्वासघात है। कांग्रेस की रणनीति रही है कि गरीबों को भरमाओ, गरीबों को तरसाओ। यहां राजस्थान के आप लोगों ने भी इसका बहुत नुकसान उठाया है।

केंद्र सरकार की उपलब्धियां

श्री मोदी ने केंद्र की भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि गत 9 साल में भाजपा सरकार ने देश के 19 करोड़ से अधिक लोगों को गैस कनेक्शन दिया है। बीते 3 साल में 9 करोड़ लोगों को पाइप से पानी के कनेक्शन से जोड़ा है। न सिर्फ 'वन रैंक वन पेंशन' को लागू किया, बल्कि पूर्व सैनिकों को एरियर भी दिया। वन रैंक वन पेंशन लागू होने के बाद, 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि एरियर के तौर पर पूर्व सैनिकों को मिली है। इसका लाभ राजस्थान के भी करीब-करीब 2 लाख पूर्व सैनिकों को मिला है। वन रैंक वन पेंशन लागू होने की वजह से देश के पूर्व सैनिकों की जेब में अब तक करीब-करीब 65 हजार करोड़ रुपए गए हैं।

कृषि बजट में लगभग 6 गुना वृद्धि

श्री मोदी ने कहा कि हमने छोटे किसानों के हितों को ध्यान में रखकर पिछले 9 वर्ष में कृषि बजट में लगभग 6 गुना वृद्धि की है। भाजपा सरकार में पहली बार किसानों को लागत का डेढ़ गुणा समर्थन मूल्य तय हुआ। पहली बार किसानों को बैंक खाते में उनकी उपज का पैसा मिलना सुनिश्चित हुआ। पहली बार किसानों को ई-नाम के रूप में राष्ट्रीय मंडी मिली है। पहली बार किसी फसल बीमा योजना से किसानों को सवा लाख करोड़ रुपए से अधिक का मुआवजा मिला है। पहली बार अभियान चलाकर किसानों को बीजों की 2 हज़ार नई वैरायटी दी गई है। पहली बार पशुपालकों को, मछली पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा मिली है। पहली बार यूरिया की कालाबाजारी रुकी है, नीम कोटिंग होने का फायदा किसानों को मिला है। पहली बार किसानों को लिक्विड नैनो यूरिया जैसा मेड इन इंडिया उत्पाद मिला है। पहली बार अभियान चलाकर देश के 11 करोड़ किसानों को 11 करोड़ से अधिक सॉयल हेल्थ कार्ड दिए गए हैं। पहली बार किसानों के लिए 'पीएम किसान सम्मान निधि' जैसी योजना शुरु हुई है। इसके तहत अभी तक 11 करोड़ किसानों को करीब ढाई लाख करोड़ रुपए मिल चुके हैं।

उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों में भाजपा सरकार ने आधुनिक हाईवे और रेलवे पर करीब चौबीस लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। उनतीस लाख करोड़ रुपए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर डीबीटी के माध्यम से सीधे गरीबों के बैंक खाते में जमा किए हैं। आदिवासी बच्चों को 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा पढ़ाई के लिए भेजे हैं। दो लाख 25 हजार करोड़ रुपए गरीबों को घर बनाने के लिए दिए हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 24 लाख करोड़ रुपए की मदद युवाओं को दी है। पिछले 9 वर्षों में भारत के लोगों ने अपने जिस सामर्थ्य का प्रदर्शन किया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम होगी।

कांग्रेस ने उछाला नया संसद भवन पर राजनीति का कीचड़

श्री मोदी ने कहा कि लेकिन भारत की ये उपलब्धियां कुछ लोगों को पच नहीं रही। भारत को नया संसद भवन मिला है। आपने टीवी पर देखा, मैं आपसे पूछता हूं कि ये नया संसद भवन पर आपको गर्व हुआ कि नहीं हुआ? लेकिन कांग्रेस और इसके जैसे कुछ दलों ने इस पर भी राजनीति का कीचड़ उछाला। कांग्रेस ने 60 हज़ार श्रमिकों के परिश्रम का, देश की भावनाओं और आकांक्षाओं का अपमान किया है। इनको गुस्सा इस बात का है कि एक गरीब का बेटा, इनके अहंकार के आगे अड़ा कैसे हुआ है। इनको गुस्सा इस बात का है कि एक गरीब का बेटा, इनकी मनमानी चलने क्यों नहीं दे रहा। इनको गुस्सा इस बात का है कि एक गरीब का बेटा, इनके भ्रष्टाचार पर, इनके परिवारवाद पर सवाल क्यों खड़े कर रहा है।

राजस्थान में अस्थिरता और अराजकता

श्री मोदी ने कहा कि 2014 में आप लोगों ने कई दशकों बाद केंद्र में एक स्थिर सरकार बनाई थी। भाजपा ने आपके हर आदेश की मर्यादा रखी है। लेकिन आपने 5 वर्ष पहले राजस्थान में भी एक जनादेश दिया था और बदले में राजस्थान को क्या मिला? अस्थिरता और अराजकता। यहां पांच साल से विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री आपस में लड़ने में ही बिजी है। राजस्थान की जनता की कांग्रेस को कोई चिंता नहीं हैं। राजस्थान में अपराध चरम पर है। लोग अपने तीज-त्यौहार तक शांति से नहीं मना पाते। कब कहां दंगा हो जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं और कांग्रेस सरकार आतंकियों पर मेहरबान है। कांग्रेस की सरकार आकंठ तुष्टीकरण में डूब गई है।

उन्होंने कहा कि यहां बेटियों के खिलाफ साजिश करने वालों को राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने खुली छूट दे रखी है। कांग्रेस सरकार को बेटियों की सुरक्षा की, बेटियों के हितों की परवाह नहीं है। साथियों आपका ये प्यार और आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी ऊर्जा है। मैं बड़े संतोष के साथ कह सकता हूं कि बीते 9 वर्षों में बीजेपी सरकार ने माताओं-बहनों-बेटियों के जीवन चक्र से जुड़ी हर समस्या पर ध्यान दिया है। गर्भावस्था के दौरान शिशु को पौष्टिक खाना मिले इसके लिए हमने मातृवंदना योजना चलाई, महिलाओं के बैंक खाते में पैसे भेजने शुरू किए। शिशु का जन्म अस्पताल में हो, हमने इसके लिए भी अभियान चलाया। बेटी को कोख में ही न समाप्त कर दिया जाए, इसके लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे जन आंदोलन शुरू किए। बेटी जब बड़ी होकर स्कूल जाने लगे, तो शौचालय न होने की वजह से स्कूल ना छोड़े, इसके लिए करोड़ों शौचालय बनाए। बेटी की शिक्षा जारी रहे, इसके लिए सुकन्या समृद्धि योजना में इतना ज्यादा ब्याज देने का काम किया। बेटी बड़ी होकर कुछ अपना काम कर सके इसके लिए बिना गारंटी मांगे लोन देने वाली मुद्रा योजना शुरू कर दी। मां बनने के बाद भी अपनी नौकरी जारी रख सके इसके लिए मातृत्व अवकाश में वृद्धि की। बेटी अगर सैनिक स्कूल जाना चाहे, तो उसके लिए भी हमने सैनिक स्कूल के द्वार खोल दिए। बेटी अगर सेना में अफसर बनना चाहे तो तीनों सेनाओं में हमने बेटियों के लिए नए रास्ते बना दिए। आज बड़ी संख्या में हमारी वीर बेटियां अग्नीवीर भर्ती हुई हैं, नौसेना में नाविक भर्ती हुई हैं। गांव की बहनों को कमाई के अवसर बढ़ें, इसके लिए 9 करोड़ बहनों तक सेल्फ हेल्प ग्रुप का विस्तार किया और सहायता को भी दोगुना कर दिया। बेटी को रसोई में लकड़ी का धुआं न सहना पड़े, इसके लिए उज्ज्वला का गैस कनेक्शन दिया। बेटी को पानी के इंतजाम में परेशान न होना पड़े, इसके लिए हमने हर घर पाइप से पानी देने की योजना शुरू की। बेटी को अंधेरे में न रहना पड़े, इसके लिए हमने सौभाग्य योजना से मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया। बेटी पैसे की कमी की वजह से अपनी बीमारी छिपाए नहीं, इसलिए हमने उसे आयुष्मान कार्ड की ताकत दे दी। बेटी का घर की संपत्ति पर भी अधिकार हो, इसके लिए पीएम आवास के घरों में उसे संयुक्त भागीदारी दी। गृहणी को अपनी बचत अनाज के डिब्बों में न रखनी पड़े, इसके लिए जनधन योजना के तहत बड़ी संख्या में बैंक खाते खोले और इन सब प्रयासों का जो परिणाम रहा है, जो अभूतपूर्व है।

विकसित राजस्थान बहुत जरूरी

श्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित राजस्थान बहुत जरूरी है। इस दशक के अगले सात साल बहुत अहम हैं। इन सात सालों में देश के लोग भारत का कायाकल्प होते हुए देखेंगे। भारत का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक हाईवे, आधुनिक रेलवे, आधुनिक एयरपोर्ट, दुनिया में किसी देश से कम नहीं होंगे। भारत के लोगों के पास दुनिया के किसी देश से कम सुविधाएं नहीं होंगी। भारत के लोगों पास शिक्षा के स्वास्थ्य के बेहतरीन संसाधन होंगे। भारत दुनिया की सबसे बड़ी मैन्यूफैक्चरिंग फैक्ट्री के रूप में उभरकर आने वाला है। भारत दुनिया में सबसे बड़े निर्यातक देशों में से एक बनेगा। भारत दुनिया में सबसे बड़े टूरिस्ट डेस्टिनेशन में से एक बनेगा। इन सभी में राजस्थान के लोगों को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। पराक्रम और परिश्रम की ये पुण्य भूमि नवनिर्माण का आह्वान कर रही है। ■

मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा ने किया मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित

भारतीय जनता पार्टी ने 29 मई, 2023 को पूरे देश में हर राज्य में मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के सफलतम 9 वर्ष की उपलब्धियों, कार्य-संस्कृति और विचारधारा के संबंध में मीडिया से चर्चा की गई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 9 सालों में विकास की जो अहर्निश यात्रा पूरे देश में चली है, इसके संबंध में एक पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया।

श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 साल सेवा, सुशासन, समर्पण एवं गरीब कल्याण के रहे हैं। मीडिया संवाद कार्यक्रम आज हर राज्य में आयोजित हुए जिसमें प्रदेश भाजपा नेतृत्व के साथ-साथ हर कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एवं भाजपाशासित राज्यों में मुख्यमंत्री/उप मुख्यमंत्री की उपस्थित रही।

बीते 9 सालों में देश ने हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखा। देश के सभी नागरिक इस अभूतपूर्व विकास के साक्षी रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है एवं विश्व को मार्ग दिखा रहा है। विगत 9 वर्षों में हमारी सरकार द्वारा न केवल विकास में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को मुख्य धारा से जोड़ा गया, बल्कि उनका सशक्तीकरण भी किया गया है। आज दुनिया के बड़े-बड़े अर्थशास्त्री, विश्लेषक, विचारक—सभी एक स्वर में कह रहे हैं कि 21वीं सदी भारत की सदी है। आज पूरी दुनिया भारत को लेकर एक विश्वास से भरी हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के नौ साल के नौ प्रमुख आधार सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, नवाचार, दृढ़ इच्छाशक्ति, भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर जीरो टोलरेंस, नीतिगत पहल, साहसिक निर्णय तथा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' रहा है।

यह एक सुखद संयोग है कि भारत अपने स्वतंत्रता के अमृतकाल में है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल के सभी लक्ष्यों की प्राप्ति हो रही है। यदि आज हमारा देश विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है तो इसका कारण है बीते 9 वर्षों में समग्र दृष्टिकोण तैयार किया गया मजबूत आधार है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय राजनीतिक पटल पर यह सुनिश्चित किया कि अब राजनीति सेवा की होनी चाहिए, परफॉरमेंस की होनी चाहिए, नीतिगत बदलावों की होनी चाहिए, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की होनी चाहिए। 2014 में पदभार संभालने के बाद से प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हर नीति में राष्ट्र प्रथम के संकल्प को स्थापित किया है। इन 9 वर्षों में सर्वांगीण, सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी विकास ने यह सुनिश्चित किया है कि इस विकास यात्रा में कोई व्यक्ति, कोई वर्ग, कोई भू-भाग और देश का कोई कोना पीछे नहीं छूटना चाहिए। इन नौ सालों में युवाओं को नए अवसर मिले हैं, किसान समृद्ध हुए हैं, गरीबों के जीवन में सुधार हुआ है, महिलाओं का उत्थान हुआ है, श्रमिकों को सम्मान मिला है। प्रधानमंत्रीजी के सशक्त नेतृत्व और दूरदर्शिता के कारण भारत विकसित भारत की ओर तेजी से असर हो रहा है। हमारी सरकार के मूल में लोक कल्याण की भावना निहित है।

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मुंबई में मीडिया संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। राज्य सभा में सदन के नेता एवं केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल जयपुर में उपस्थित रहे, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया, केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी रोहतक में मीडिया संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहीं, केंद्रीय पर्यावरण एवं श्रम कल्याण मंत्री श्री भूपेंद्र यादव भोपाल में मीडिया संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री जी किशन रेड्डी ने भुबनेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत

पटना में मीडिया संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहे, केन्द्रीय जनजाति कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा रायपुर में तथा केन्द्रीय जल शक्ति श्री प्रह्लाद पटेल शिमला में मीडिया संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख भाई मांडविया ने कोलकता में आयोजित मीडिया संवाद में भाग लिया। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री टटुआ पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी लखनऊ में उपस्थित रहे, जबकि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री पुरुषोत्तम रुपाला पोर्ट ब्लेयर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

केंद्रीय केंद्रीय कानून राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल हैदराबाद में, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री श्री वी.के. सिंह रांची में, विदेश राज्यमंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी बेंगलुरु में, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री सुश्री प्रतिमा भौमिक शिलांग में, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री भागवत कराड़ पणजी में तथा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्री भगवंत खुबा विजयवाड़ा में आयोजित मीडिया संवाद में उपस्थित हुए।

केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह चेन्नई में, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्यमंत्री श्री जॉन बारला आइजोल में, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और सहकारिता राज्यमंत्री श्री बी.एल. वर्मा जालंधर में, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुभाष सरकार गंगटोक में, केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर चंडीगढ़ में, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन पुदुच्चेरी में, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री निशीथ प्रमाणिक अगरतला में, केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री संजीव बालयान देहरादून में तथा केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट जम्मू में आयोजित भाजपा के मीडिया संवाद कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ■

नोएडा (उ.प्र.) में 'टिफिन मीटिंग' में शामिल हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

'टिफिन बैठकें पार्टी कार्यकर्ताओं में एकता और मैत्रीपूर्ण भाव पैदा करती हैं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के नौ साल पूरे होने पर आयोजित 'महा संपर्क अभियान' कार्यक्रम के तहत भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 07 जून, 2023 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नोएडा में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ 'टिफिन मीटिंग' में भाग लिया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री भूपेंद्र चौधरी, गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ. महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद श्री सुरेंद्र नागर और उत्तर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री पंकज सिंह सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समय-समय पर टिफिन बैठकें होती रहेंगी। "यह भाजपा की कार्यशैली का हिस्सा बन गया है। यह पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच एकता और मैत्रीपूर्ण भाव पैदा करती है।"

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुझाव के अनुसार पार्टी ने अपनी सामान्य बैठकों को 'टिफिन बैठकों' में बदल दिया है। टिफिन बैठकों में भाजपा कार्यकर्ता टिफिन में खाना लाते हैं और पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ साझा करते हैं।

इस दौरान हमारे पदाधिकारी पार्टी को कैसे मजबूत किया जाए और केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर औपचारिक और अनौपचारिक चर्चा करते हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि पार्टी न केवल 2024 के लोकसभा चुनाव बल्कि छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। ■

एलपीएस ग्लोबल स्कूल, डी-196/2, सेक्टर 51, नोएडा में 07 जून, 2023 को आयोजित 'टिफिन बैठक' के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

बीते 9 वर्षों में गरीबों की सेवा करने वाला भारत बना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कालजयी नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 सफल वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ ने 30 मई, 2023 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया और अगले एक महीने तक चलने वाले पार्टी के कार्यक्रमों की रूप-रेखा प्रस्तुत की। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पार्टी की ओर से एक गीत भी जारी किया गया। साथ ही, पार्टी के जनसंपर्क कार्यक्रम के लिए एक मिस्ड कॉल नंबर भी जारी किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता में भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं सांसद श्री अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ. संजय मयूख भी उपस्थित थे।

विकासवाद की राजनीति प्रतिष्ठित

श्री चुघ ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 9 वर्ष भारत के नवनिर्माण के, भारत के गरीब कल्याण के 9 वर्ष रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना हर पल देश को महाशक्ति बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। आज पूरी दुनिया कह रही है कि 21वीं सदी भारत की सदी है। बीते 9 सालों में भारत ने 'पॉलिसी पैरालिसिस' से 'डिसाइसिव पॉलिसी' और अर्थव्यवस्था में 'फ्रेजाइल फाइव' से 'टॉप फाइव' की यात्रा की है। भारत ने बीते 9 साल में एक पार्टी के 'अपना परिवार, अपना विकास' की नीति को दरकिनार कर 'सबका साथ, सबका विकास' की कहानी लिखी है। पहले भारत की आवाज अनसुनी कर दी जाती थी। आज जब भारत बोलता है, तो दुनिया सुनती है। प्रधानमंत्रीजी ने जातिवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति को ख़त्म कर विकासवाद की राजनीति प्रतिष्ठित की है।

महासंपर्क अभियान कार्यक्रम शुरू

श्री चुघ ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण योजनाओं को केंद्र में रखते हुए एक महासंपर्क अभियान कार्यक्रम शुरू किया है। यह महासंपर्क कार्यक्रम 31 मई से 30 जून तक लगभग एक महीने चलेगा। राजस्थान के अजमेर से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एक महारैली करके इस महासंपर्क अभियान का शुभारंभ करेंगे। अगले एक महीने में देश भर में इस तरह की 51 महारैली आयोजित की

जायेगी। 31 मई से 30 जून तक, 30 दिनों के इस महा जनसंपर्क के अंतर्गत पूरे देश भर में 500 से अधिक सभाएं और 600 से अधिक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किये जाएंगे। इस दौरान 500 से अधिक लोकसभा और 4,000 से अधिक विधानसभा में 5 लाख से अधिक विशिष्ट परिवारों और हर लोक सभा में 1,000 विशिष्ट परिवारों से संपर्क साधा जाएगा। लाभार्थी संपर्क और विभिन्न वर्गों से संपर्क एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क जैसे विभिन्न कार्यक्रम लोकसभा, विधानसभा एवं बूथ स्तर पर आयोजित किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में भाजपा ने 543 लोक सभाओं को 144 क्लस्टरों में बांटा है। हर क्लस्टर में तीन से चार लोक सभा को शामिल किया गया है। हर क्लस्टर में भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता 8 दिन गुजारेंगे। पार्टी नेताओं और एवं कार्यकर्ताओं की दो टोलियां बनाई गई है। केंद्रीय मंत्रियों एवं पार्टी पदाधिकारियों जैसे 288 बड़े नेता इस टोली में रहेंगे। ये 288 नेता हर विधानसभा में एक हजार मुख्य परिवारों से मिलेंगे, उन्हें श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की उपलब्धियों की बुकलेट देंगे और उनसे समर्थन भी मांगेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा का हर मोर्चा अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करेगा। व्यापारियों से संवाद, सोशल मीडिया कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। केंद्र सरकार ने हर लोक सभा में बड़े-बड़े काम किये हैं। हम उसे नव भारत के विकास तीर्थ के रूप में मानते हैं। हमारे कार्यकर्ता उस विकास तीर्थ स्थल पर जाएंगे। कहीं एम्स बना है, कहीं अन्य हॉस्पिटल बने हैं, यूनिवर्सिटीज बनी है, कॉलेज खोले गए हैं, उद्योग लगे हैं, फ़ूड पार्क बने हैं, नेशनल हाइवे बने हैं, ब्रिज बने हैं, कई कॉरिडोर बने हैं, टनल बने हैं, वंदे भारत ट्रेन चली है। हमारे कार्यकर्ता सभी विकास तीर्थों पर जाएंगे। हर विधान सभा में जन सभा होगी। हर शक्ति केंद्र पर लाभार्थियों से संवाद कार्यक्रम होगा। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई जायेगी। हर बूथ पर भाजपा कार्यकर्ताओं की टोली 20 जून से लेकर 30 जून तक घर-घर जायेगी। 23 जून को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की पुण्य तिथि के दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी डिजिटल रैली के माध्यम से 10 लाख बूथों पर समर्थकों, समाज में काम करने वाले लोगों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद एवं संपर्क करेंगे। मोदी सरकार की जनल्याणकारी नीतियों एवं उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के लिए भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता, केन्द्रीय मंत्री, 300 से अधिक सांसद एवं 1,400 से अधिक विधायक जोर-शोर से इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में देश के 10 लाख से अधिक बूथों

पर सीधा संपर्क साधा जाएगा और भारत के 10 करोड़ लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। इस महा जनसम्पर्क हेतु सांसद से लेकर सरपंच तक, प्रदेश अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक, सभी लोग बढ़-चढ़कर भाग लेंगे व 16 लाख से अधिक कार्यकर्ता प्रशिक्षित होंगे।

बुद्धिजीवी सम्मेलन का आयोजन

श्री चुघ ने कहा कि सभी लोक सभाओं में बुद्धिजीवी व्यक्तियों के साथ सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 25 जून (इमर्जेन्सी) को भी आयोजित किया जाएगा जिसमें कांग्रेस ने लोकतंत्र को कैसे नष्ट किया था, इस पर डॉक्यूमेंट्री दिखाई जाएगी। सोशल मीडिया के प्रमुख इंफ्लुएंसर्स के साथ संवाद किया जाएगा। लोकसभा के व्यापारिक केंद्र पर व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। घर-घर जनसंपर्क में केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित सभी नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता भाग लेंगे। घर-घर संपर्क के दौरान सभी नेता घर-घर जाकर लोगों को भाजपा के 9 वर्ष के उपलब्धियों के बारे में बताएंगे। 10 लाख से अधिक बूथों पर युवा मोर्चा के सदस्य मुद्रा लोन योजना, स्टार्टअप इंडिया आदि के कम से कम 5 करोड़ लाभार्थियों से मिलेंगे एवं उनसे भाजपा के द्वारा किए विकास कार्यों पर चर्चा करेंगे। 4,000 से अधिक विधान सभाओं में 8 दिन की जिला स्तरीय टू-व्हीलर युवा यात्रा के दौरान शहर के मुख्य स्थलों, गांवों एवं मोहल्लों में नुक्कड़ सभाओं खेल प्रतियोगिताओं, युवा अचीवर्स का सम्मान जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। साथ ही, 15,931 मंडलों पर 18 से 25 वर्ष की आयु के मतदाताओं के साथ सम्मेलन का आयोजन की जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर एक ऑनलाइन क्विज़ का आयोजन किया जाएगा। किसान मोर्चा, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, ओबीसी मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा भी अलग-अलग कई कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। प्रत्येक विधान सभा में सातों मोर्चों द्वारा संयुक्त मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। विधानसभा स्तर पर केंद्र सरकार के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा और 21 जून को योगा दिवस के दिन हर कार्यक्रम स्थल पर केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

9yearsofseva.bjp.org का शुभारंभ

श्री चुघ ने कहा कि पार्टी ने नौ वर्ष की उपलब्धियों को लेकर एक वेबसाइट 9yearsofseva.bjp.org भी लॉन्च की है। भाजपा ने जन संपर्क एवं जनता से समर्थन के लिए एक मिस्ड कॉल नंबर 9090902024 भी लॉन्च किया है। सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण का मंत्र जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की विकास यात्रा के यही समय है, सही समय है और रुके नहीं, आगे बढ़ें के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

योजनाएं जमीन पर उतरीं

श्री चुघ ने कहा कि पहले योजनाएं कागजों की धूल फांकती रहती थी। आज एक ही कार्यकाल में योजनाएं बनती भी हैं और जमीन पर उतरती भी हैं। शिलान्यास और उद्घाटन दोनों एक ही कार्यकाल में होता है। पहले बिचौलिए लाभार्थियों का पैसा खाते थे, आज बिचौलिया संस्कृति को खत्म गया है। भ्रष्टाचार के दीमक को ख़त्म किया जा रहा है। पहले के प्रधानमंत्री कहते थे, गरीबों को एक रुपया भेजता हूं तो केवल 14 पैसे पहुंच पाते हैं। न जाने कौन सा पंजा था कि एक रुपये में 86 पैसे खा जाता था। आज नरेन्द्र मोदी सरकार में 100 रुपये भेजे जाते हैं, तो 100 रुपये पहुंचते हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारों में तो इसमें और अधिक लगकर गरीबों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबों के 85 पैसा खाने वाले पंजे से अर्थव्यवस्था को निकालकर इसे भ्रष्टाचार-मुक्त बनाया है।

उन्होंने कहा कि बीते 9 सालों में भारत ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ी हैं। राजपथ अब कर्तव्य पथ है, रेस कोर्स रोड अब लोक कल्याण मार्ग है और प्रधानमंत्री, प्रधानसेवक के रूप में जनता-जनार्दन की सेवा कर रहे हैं। प्रधानमंत्रीजी ने देश के सोचने के स्केल को ऊपर उठाया है। धारा 370 धराशायी हुआ, ट्रिपल तलाक की कुप्रथा ख़त्म हुई और आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक हुआ, एयर स्ट्राइक हुआ। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण भी तेज गति से चल रहा है। इंडिया गेट पूरी तरह बदल गया है। जहां पर जार्ज पंचम की मूर्ति थी आज वहां सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा है। वीरों की गाथा गाता हुआ नेशनल वॉर मेमोरियल है।

उन्होंने कहा कि बीते 9 वर्षों में लगभग 48 करोड़ लोगों के जन-धन एकाउंट खुले, उज्ज्वला योजना के तहत साढ़े 9 करोड़ गैस कनेक्शन वितरित किये गये, लगभग साढ़े तीन करोड़ घरों में बिजली पहुंचाई गई, 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया गया, 10 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है और लगभग साढ़े 12 करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाया गया है। पीएम आवास योजना के तहत तीन करोड़ से अधिक गरीबों को घर दिए गए और हर घर में बिजली, पानी, गैस, शौचालय और आयुष्मान कार्ड पहुंचाया गया। देश के लगभग 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिल रहा है।

श्री चुघ ने कहा कि बीते 9 वर्षों में गरीबों की सेवा करने वाला भारत बना है, नारी शक्ति को संबल देने वाला भारत बना है, युवाओं के सपनों को पूरा करने वाला भारत बना है, किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने वाला भारत बना है, सबके लिए सहज, उत्तम सेवाओं वाला भारत बना है तथा विश्व में निरंतर विकास करने वाला भारत बना है। आज का भारत विरासत के साथ विकास करने वाला भारत है। आज भारत के विकास में गति भी है, शक्ति भी है, सुरक्षा भी है और संयम भी। यह नया भारत है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत है, मिशन इंडिया के तहत आगे बढ़ता हुआ भारत है। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय का शिलान्यास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 09 जून, 2023 को नई दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पॉकेट-5 में दिल्ली के नवीन प्रदेश भाजपा कार्यालय का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री बीएल संतोष, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बैजयंत जय पांडा, दिल्ली विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित दिल्ली प्रदेश भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री नड्डा ने कहा कि अजमेरी गेट से शुरू होकर पंत मार्ग से होते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग तक की यह यात्रा ऐसे ही नहीं हुई है, बल्कि इसमें लाखों कार्यकर्ताओं ने योगदान किया है। उन्होंने दिल्ली प्रदेश भाजपा के मनीषी नेताओं श्री केदारनाथ

साहनी, श्री विजय मलहोत्रा, श्री मदन लाल खुराना, श्री अरुण जेटली, श्रीमती सुषमा स्वराज एवं श्री साहिब सिंह वर्मा के कृतित्व को याद किया और उन्हें दिल्ली में भाजपा की नींव बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी भाजपा कार्यालय आए। उन्होंने हर राज्य और हर जिले में भाजपा के अपना कार्यालय होने की इच्छा जताई थी, जिस पर हमारे तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने हर राज्य एवं हर जिले में कार्यालय भवन बनाने का निश्चय किया। भारतीय जनता पार्टी ने 887 कार्यालय भवन बनाने का निर्णय लिया। आज 500 से ज्यादा कार्यालय भवन बन चुके हैं। लगभग 166 कार्यालय भवन पर निर्माण कार्य चल रहा है। दिल्ली प्रदेश का कार्यालय भवन 167वां होगा। कुछ कार्यालयों के लिए जमीन लेने की प्रक्रिया चल रही है।

श्री नड्डा ने कहा कि दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय सभी आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित होगा, ताकि पार्टी का कार्य सुचारू रूप से चल सके। मुझे विश्वास है कि पार्टी कार्यकर्ता यहां रणनीति बनाने, विचारधारा को आगे बढ़ाने और पार्टी के आगे बढ़ाने में इस भवन का उपयोग करेंगे। भाजपा के लिए कार्यालय कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का रास्ता होता है जो पांच 'क' अर्थात कार्यालय, कोष, कार्यकारिणी, कार्यकर्ता और कार्यक्रम से संचालित होता है। ■

मोदी सरकार की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक 'अमृतकाल की ओर' का लोकार्पण

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 05 जून, 2023 को प्रधानमंत्री संग्रहालय सभागार परिसर, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक 'अमृतकाल की ओर' के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया और श्री नरेन्द्र मोदी सरकार की विकासवाद की कार्य-संस्कृति एवं उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

श्री नड्डा ने कहा कि हमने 2004 से 2014 तक का कालखंड भी देखा है और 2014 से अब तक का सफर भी। इन दोनों कालखंड में जमीन आसमान का अंतर है। 2004 से 2014 के कालखंड में लोग मान चुके थे कि देश ऐसे ही चलेगा, कुछ भी बदलने वाला नहीं है, कुछ भी सुधरने वाला नहीं है। यही सोच देश की मानसिकता बन गई थी। हमारी गिनती भ्रष्ट देशों में होती थी। यूपीए सरकार में आये दिन हजारों करोड़ के घोटाले होते रहते थे। नेतृत्व का पता ही नहीं था। यह भी पता नहीं चलता था कि देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री कर रहे हैं या 10 जनपथ से संचालन हो रहा है। नेता, नीति, नेतृत्व, नीयत - सब पर प्रश्नवाचक चिह्न लगे हुए थे। 2014 में जब देश की जनता ने आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी को अपना आशीर्वाद दिया,

उनके नेतृत्व में विश्वास प्रकट किया, तो देश को निर्णायक नेतृत्व भी मिला, विकास के प्रति समर्पित नीति भी मिली, सही नीयत भी मिली। श्री नरेन्द्र मोदी सरकार में देश पॉलिसी पैरालिसिस से बाहर निकला, देश का वातावरण बदला, देश की राजनीतिक संस्कृति बदली और देश की राजनीति वोट बैंक पॉलिटिक्स से निकलकर रिपोर्ट कार्ड की संस्कृति पर आ गई। विगत 9 वर्षों में देश डायनेस्टिक पॉलिटिक्स से निकलकर डेमोक्रेसी पॉलिटिक्स पर आई है। देश मेरिटोरियस पॉलिटिक्स करना सीख चुका है। ■

केन्द्रीय गृह मंत्री ने असम में 44,703 सफल उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र किए वितरित

असम सरकार ने 2 सालों में लगभग 86,000 युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी है

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 25 मई को असम में 44,703 सफल उम्मीदवारों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा जी ने कहा था कि हमें असम के युवा को राज्य के विकास की प्रक्रिया से जोड़ना चाहिए और हम 1 लाख स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में असम सरकार ने 2 सालों में लगभग 86,000 युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी है, अगले कुछ महीनों में 14,000 और नौकरियां देकर राज्य में 1 लाख सरकारी नौकरियां देने के अपने वादे को बहुत जल्द पूरा करेगी।

श्री शाह ने कहा कि जिस असम में युवाओं के हाथों में हथियार होते थे, महीनों तक बंद और कर्फ्यू रहता था, बम धमाके होते थे, उस असम में प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के नए युग की शुरुआत की है, अब यहां के लोग शांति, विकास और भारत के साथ जुड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले 42,000 और अब 45,000 सरकारी भर्तियां करने में कई बाधाएं थीं, ऐसे नियम थे जिनके तहत पारदर्शिता के साथ नियुक्ति हो ही नहीं सकती थी, भर्ती के लिए कोई बोर्ड ही नहीं था।

श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ गरीबों के बच्चों को नौकरी मिलने की व्यवस्था की है, जबकि पहले की सरकारों ने अपने ही लोगों को नौकरी देने का पूरा प्रबंध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने असम के किसी भी क्षेत्र, जाति और वर्ग के प्रतिभाशाली युवा को बिना किसी रिश्वत के सरकारी नौकरी मिले, ऐसी व्यवस्था की है।

श्री शाह ने कहा कि पहले की सरकारों के समय हिंसा, उग्रवाद व्याप्त था, लेकिन मोदी सरकार के 9 सालों में हिंसा की घटनों में 67 प्रतिशत, सुरक्षाबलों की मृत्यु में 60 प्रतिशत और नागरिकों की मृत्यु में 83 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में आज असम विकास और शांति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। श्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने ब्रू, बोडो, कार्बी, असम-मेघालय, असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा समझौते किए, AFSPA में 70 प्रतिशत कमी की और विकास के लिए बजट में 300 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि असम की राजकोषीय स्थिति में सुधार आया है, राज्य का जीएसडीपी 2021-22 में 4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 5.50 लाख करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में उद्योग बढ़ रहे हैं, औद्योगिक नीति के तहत निवेश आ रहा है और अरुणोदय स्कीम से असम विकास की राह पर चल पड़ा है। श्री शाह ने कहा कि असम में कृषि और डेयरी क्षेत्र का विकास हो रहा है, 3,000 तालाबों को विकसित किया जा रहा है और मोदी सरकार असम को अगले 5 साल में बाढ़मुक्त बनाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। ■

मई, 2023 में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 12 प्रतिशत बढ़कर 1,57,090 करोड़ रुपये हुआ

लगातार 14 महीनों के लिए मासिक जीएसटी राजस्व 1.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक; जीएसटी की स्थापना के बाद से 5वीं बार 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार

केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक जून को जारी एक बयान के अनुसार मई, 2023 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का राजस्व 1,57,090 करोड़ रुपये है, जिसमें सीजीएसटी 28,411 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 35,828 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 81,363 करोड़ रुपये (माल के आयात पर 41,772 करोड़ रुपये की वसूली सहित) और उपकर 11,489 करोड़ रुपये (माल के आयात पर एकत्रित 1,057 करोड़ रुपये सहित) है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से सीजीएसटी में 35,369 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 29,769 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। नियमित भुगतान के बाद मई, 2023 में केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 63,780 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 65,597 करोड़ रुपये है।

मई, 2023 के महीने का राजस्व पिछले साल इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 12 प्रतिशत अधिक है। महीने के दौरान माल के आयात से राजस्व 12 प्रतिशत अधिक था और घरेलू लेनदेन से राजस्व (सेवाओं के आयात सहित) पिछले वर्ष इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से राजस्व की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। ■

भारत बना हुआ है तीव्र आर्थिक वृद्धि वाला देश, 2022-23 में 7.2 प्रतिशत वृद्धि दर

वर्ष 2022-23 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान 160.06 लाख करोड़ रुपये का है, जबकि वर्ष 2021-22 के लिए जीडीपी का पहला संशोधित अनुमान 149.26 लाख करोड़ रुपये था

भारत दुनिया में तीव्र आर्थिक वृद्धि वाला देश बना हुआ है। कृषि, विनिर्माण, खनन और निर्माण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर बीते वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही। इसके साथ, पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अनुमान से अधिक है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 31 मई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2022-23 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुमान 160.06 लाख करोड़ रुपये का है, जबकि वर्ष 2021-22 के लिए जीडीपी का पहला संशोधित अनुमान 149.26 लाख करोड़ रुपये था। 2022-23 के दौरान वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 2021-22 के 9.1 प्रतिशत की तुलना में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है।

वर्ष 2022-23 में मौजूदा कीमतों पर नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद का अनुमान 272.41 लाख करोड़ रुपये है, जबकि वर्ष 2021-22 के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अनंतिम अनुमान 234.71 लाख करोड़ रुपये रहा था, जिसमें 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर दिख रही है।

2022-23 की चौथी तिमाही में स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 43.62 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जबकि 2021-22 की चौथी तिमाही में 41.12 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 6.1 प्रतिशत की वृद्धि दिख रही है। 2022-23 की चौथी तिमाही में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 71.82 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि 2021-22 की चौथी तिमाही में यह 65.05 लाख करोड़ रुपये था, जो 10.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2022-23 जीडीपी वृद्धि के आंकड़ों के बारे में संतोष व्यक्त किया और इन्हें देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक आशाजनक विकासग्राफ माना है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि 2022-23 जीडीपी वृद्धि के आंकड़े वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की सहनशीलता को रेखांकित करते हैं। मोटे तौर पर व्यापक आशावाद और वृहद अर्थव्यवस्था के स्पष्ट संकेतकों के साथ यह मजबूत प्रदर्शन, हमारी अर्थव्यवस्था के आशाजनक विकासग्राफ और हमारे लोगों की दृढ़ता का उदाहरण है। ■

वर्ष 2023-24 की मूल्य समर्थन योजना के तहत अरहर, उड़द और मसूर की हटाई गई खरीद की सीमा

सरकार द्वारा लाभकारी कीमतों पर इन दालों की सुनिश्चित खरीद से किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए आगामी खरीफ और रबी बुवाई के मौसम में अरहर, उड़द और मसूर के बुवाई क्षेत्र को बढ़ाने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी

दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2023-24 की मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत अरहर (तुअर), उड़द और मसूर पर लगी 40 प्रतिशत की खरीद सीमा को हटा दिया है। केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा छह जून को जारी एक बयान के अनुसार सरकार के इस फैसले से बिना किसी सीमा के किसानों से एमएसपी पर इन दालों की खरीद की जा सकती है।

सरकार द्वारा लाभकारी कीमतों पर इन दालों की सुनिश्चित खरीद से किसानों को उत्पादन बढ़ाने के लिए आगामी खरीफ और रबी बुवाई के मौसम में अरहर, उड़द और मसूर के बुवाई क्षेत्र को बढ़ाने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलेगी।

केंद्र सरकार ने 2 जून, 2023 को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 को लागू करते हुए अरहर और उड़द पर स्टॉक सीमा लगा दी थी, ताकि जमाखोरी और अनैतिक व्यापार गतिविधियों को रोका जा सके तथा इस तरह उपभोक्ताओं को राहत दी जा सके। स्टॉक सीमा थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों (चक्की वालों) और आयातकों के लिए लागू की गई है। ■

खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में भारी बढ़ोतरी, धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 143 रुपये बढ़ा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने विपणन सत्र 2023-24 के दौरान सभी स्वीकृत खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 143 रुपये बढ़ा तथा सबसे ज्यादा बढ़ोतरी मूंग की दाल (803 रुपये) व तिल (805 रुपये) में की गई। धान का के साथ ही फसलों में विविधता लाने के प्रयासों को भी बल मिलेगा।

केंद्र सरकार ने फसल उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और फसलों में विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विपणन सत्र 2023-24 हेतु खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। स्वीकृत खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निम्न हैं:

(रु. प्रति क्विंटल)

फसलें	एमएसपी 2014-15	एमएसपी 2022-23	एमएसपी 2023-24	लागत केएमएस 2023-24	2022-23 के मुकाबले एमएसपी में बढ़ोतरी	लागत से अधिक लाभ प्रतिशत में
धान-सामान्य	1360	2040	2183	1455	143	50
धान-ग्रेड ए	1400	2060	2203	-	143	-
ज्वार-हाइब्रिड	1530	2970	3180	2120	210	50
ज्वार-मालदांडी	1550	2990	3225	-	235	-
बाजरा	1250	2350	2500	1371	150	82
रागी	1550	3578	3846	2564	268	50
मक्का	1310	1962	2090	1394	128	50
तुअर/अरहर	4350	6600	7000	4444	400	58
मूंग	4600	7755	8558	5705	803	50
उड़द	4350	6600	6950	4592	350	51
मूंगफली	4000	5850	6377	4251	527	50
सूरजमुखी के बीज	3750	6400	6760	4505	360	50
सोयाबीन (पीला)	2560	4300	4600	3029	300	52
तिल	4600	7830	8635	5755	805	50
काला तिल	3600	7287	7734	5156	447	50
कपास (मध्यम रेशा)	3750	6080	6620	4411	540	50
कपास (लंबा रेशा)	4050	6380	7020	-	640	-

न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,040 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,183 रुपये प्रति क्विंटल हुआ और मूंग की दाल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,755 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 8,558 रुपये प्रति क्विंटल किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि बीते 9 वर्षों में किसान भाई-बहनों के हित में कई अहम फैसले लिए गए हैं। इसी कड़ी में आज सरकार ने खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इससे अन्नदाताओं को उपज का लाभकारी मूल्य मिलने

विपणन सत्र 2023-24 के दौरान खरीफ फसलों के दौरान एमएसपी में वृद्धि किसानों को उचित पारिश्रमिक मूल्य उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय बजट 2018-19 की अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने की घोषणा के अनुरूप है। बाजरा (82%) के बाद तुअर (58%), सोयाबीन (52%) और उड़द (51%) के मामले में किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर अपेक्षित लाभ सबसे अधिक होने का अनुमान है। शेष अन्य फसलों के लिए किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर कम से कम 50% मार्जिन प्राप्त होने का अनुमान है। ■

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग गठित किया जायेगा: अमित शाह

भारत सरकार और मणिपुर सरकार द्वारा राहत और पुनर्वास पैकेज के तहत हिंसा में जान गंवाने वालों के परिजनों को 10 लाख रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने एक जून को अपनी चार दिवसीय मणिपुर यात्रा के अंतिम दिन इम्फाल में एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मणिपुर हिंसा की जांच के लिए हाई कोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग गठित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मणिपुर की राज्यपाल की अध्यक्षता में एक शांति समिति भी गठित की जायेगी, जिसमें सभी वर्गों और पक्षों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

श्री शाह ने कहा कि भारत सरकार और मणिपुर सरकार द्वारा राहत और पुनर्वास पैकेज के तहत 10 लाख रुपये की राशि हिंसा में जान गंवाने वालों के परिजनों को दी जाएगी। 5 लाख रुपये भारत सरकार और 5 लाख रुपये मणिपुर सरकार द्वारा दी जाने वाली ये राशि उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से दी जाएगी।

भारत सरकार ने निर्धारित कोटे के अतिरिक्त 30,000 मीट्रिक टन चावल भेजा

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने निर्धारित कोटे के अतिरिक्त 30,000 मीट्रिक टन चावल भेजा है। इसके अलावा गैस सिलिंडरों, पेट्रोल और सब्जियों की आपूर्ति की व्यवस्था भी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि खोंगसांग (Khongsang) रेलवे स्टेशन पर एक टेम्परेरी प्लेटफॉर्म बनाकर मणिपुर को देश के बाकी हिस्सों से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाएगी।

मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने निर्धारित कोटे के अतिरिक्त 30,000 मीट्रिक टन चावल भेजा है। इसके अलावा गैस सिलिंडरों, पेट्रोल और सब्जियों की आपूर्ति की व्यवस्था भी कर दी गई है

श्री शाह ने कहा कि मणिपुर के विद्यार्थियों के लिए कम्पीटिटिव परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था को निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी मणिपुर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन पढ़ाई, परीक्षा और डिस्टेंस शिक्षा की व्यवस्था पर एक कंक्रीट प्लान तैयार करेंगे, जिसे 2 दिनों में बना लिया जाएगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा म्यांमार और मणिपुर सीमा पर ट्रायल बेसिस पर 10 किलोमीटर बाड़ लगाने का काम पूरा हो चुका है, 80 किलोमीटर के काम के टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और बाकी बची सीमा पर काम के लिए सर्वे जारी है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों से आने वाले लोगों के बायोमेट्रिक और आई इम्प्रेशन लेने का काम भी किया जा रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कार्रवाई स्थगन (Suspension of Operation) समझौते के किसी भी प्रकार के उल्लंघन से सख्ती से निपटा जाएगा और उसे समझौते को भंग करने के रूप में लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित पक्षों को समझौते की सभी शर्तों का सख्ती से पालन करना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि जिनके पास भी हथियार हैं, वे हथियारों को पुलिस के सामने सरेंडर करें और पुलिस के कॉम्बिंग ऑपरेशन के दौरान हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने मणिपुर प्रवास के दौरान हर पक्ष के लोगों से मुलाकात की, अस्थायी राहत शिविरों का दौरा किया, मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों जैसे इम्फाल, मोरेह, चूड़ाचांदपुर और कांगपोकपी जाकर नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल और पीड़ितों से चर्चा की है। श्री शाह ने कहा कि उन्होंने राज्य के कैबिनेट मंत्रियों और महिला संगठनों के साथ भी बैठक की।

इसके अलावा श्री शाह ने मैतेई समुदाय के कई सीएसओ और कुकी समुदाय के कई सीएसओ के साथ बैठक की है। उन्होंने इन 2 दिनों में बुद्धिजीवी संगठनों, प्रोफेसर, रिटायर्ड अफसरों और समाज के हर वर्ग के लोगों के साथ शांति बहाल करने के उपायों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 11 राजनीतिक पार्टियों के साथ भी चर्चा की गई है, इसके अलावा खिलाड़ियों और सभी पार्टियों के चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ भी विचार-विमर्श हुआ है। ■

मोदी स्टोरी

महिला मोर्चा का नेतृत्व कौन कर सकता है?

— बाली भगत

महिला मोर्चा का नेतृत्व करने वाले के क्या लक्षण हो सकते हैं? नेतृत्वकर्ता के कौन से गुण उसे महिला समूह की मुखिया बनने के योग्य बनाते हैं? इसके बारे में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी क्या सोचते हैं?

वर्ष 1997-98 में श्री नरेन्द्र मोदी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी थे। एक दिन पार्टी की बैठक थी और बैठक में श्री मोदी उपस्थित थे। चर्चा के दौरान श्री मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं से एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा और युवा मोर्चा सहित पार्टी के विभिन्न मोर्चों के बारे में जानकारी ली। जब उन्होंने महिला मोर्चा के बारे में पूछा, तो पार्टी कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया कि उनके पास महिला मोर्चा नहीं है, क्योंकि राज्य में महिलाएं ऐसी भूमिकाओं के लिए आगे नहीं आती हैं।

श्री मोदी ने जवाब दिया, पूरे देश में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां महिला मोर्चा की स्थापना नहीं की जा सकती है। यहीं वह बिंदु था जब पार्टी के कार्यकर्ता एक सबक लेने वाले थे।

श्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से पूछा; आपके गांव में जब भी शादी या कोई सामाजिक समारोह होता है और महिलाएं शाम के समय इस अवसर पर इकट्ठा होती हैं, तो एक महिला होती है जो गांव की अन्य महिलाओं का नेतृत्व करती है।

यह वह महिला होती है जो कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद व्यवस्था देखती है। वह मेजबानों को अनुष्ठानों के अनुसार कुछ बदलाव करने का सुझाव भी देती हैं, महिलाओं के बैठने की व्यवस्था में मदद करती हैं और उसके बाद सभी महिलाएं उसके निर्देशों का पालन करती हैं। ऐसे वह स्वतः ही उनकी नेता बन जाती है।

श्री मोदी ने फिर पार्टी कार्यकर्ताओं से पूछा; क्या आपको अपने गांव या कस्बे में ऐसी कोई महिला याद है? पार्टी कार्यकर्ताओं ने जवाब दिया कि हां हर गांव में ऐसी एक महिला होती है जो दूसरी महिलाओं का नेतृत्व करती है।

श्री मोदी ने तब कार्यकर्ताओं से कहा कि चूंकि ऐसी महिलाओं में नेतृत्व के गुण होते हैं, इसलिए अन्य महिलाएं उनके निर्देशों का पालन करती हैं।

श्री मोदी ने कहा कि आप अपने गांव में ऐसी महिला से संपर्क क्यों नहीं करते, वह आपकी महिला मोर्चा की नेता हो सकती हैं। जम्मू-कश्मीर के भाजपा नेता श्री बाली भगत इस घटना को याद करते हुए कहते हैं कि यह सभी के लिए एक आंख खोल देने वाला पल था। हम बैठक में उपस्थित थे। हमने महसूस किया कि यह हमारी पहुंच के भीतर है, लेकिन श्री मोदी जैसे नेता की विचार-प्रक्रिया ने हमें यह कल्पना करने के लिए प्रेरित किया कि हमारे महिला मोर्चा के लिए एक नेता हो सकता है। ■

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने की बातचीत

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 05 जून, 2023 को नई दिल्ली में अमेरिका के रक्षा मंत्री श्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक गर्मजोशी से भरी और सौहार्दपूर्ण रही। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विषयों की एक महत्वपूर्ण श्रृंखला पर चर्चा की, जिसमें औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने के तरीकों को चिन्हित करने पर विशेष फोकस किया गया।

दोनों मंत्रियों ने लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं को बनाने के तरीकों का पता लगाया। दोनों पक्ष नई प्रौद्योगिकियों के सह-विकास और वर्तमान तथा नई प्रणालियों के सह-उत्पादन के अवसरों को चिन्हित करेंगे और दोनों देशों के रक्षा

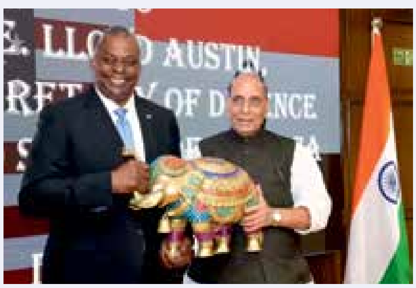

स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के बीच सहयोग बढ़ाने की सुविधा प्रदान करेंगे। उन्होंने इन उद्देश्यों की दिशा में अमेरिका-भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप तैयार किया जो अगले कुछ वर्षों के लिए नीति दिशा का मार्ग दर्शन करेगा।

दोनों पक्षों ने मजबूत और बहुआयामी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की और सहयोग की गति को बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने हाल ही में डिफेंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिफेंस स्पेस पर फोकस किये गए उद्घाटन संवादों का स्वागत किया। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने में उनके साझा हितों को देखते हुए क्षेत्रीय सुरक्षा के विषयों पर भी चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत से पहले मंत्री श्री ऑस्टिन को तीनों सेनाओं की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री दो दिवसीय यात्रा पर 04 जून, 2023 को नई दिल्ली पहुंचे। ■

अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा

अटल बिहारी वाजपेयी

मुंबई में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय परिषद् में 28 दिसंबर, 1980 को श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिए गए अध्यक्षीय भाषण का पांचवा भाग—

भारत सोवियत संघ संबंध में असामंजस्यता

स्वतंत्र पर्यवेक्षक यदि यह निष्कर्ष निकालते हैं कि भारत सोवियत मैत्री एक गठबंधन का रूप ले रही हैं तो उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। हमारे देश की समूची जनता, यहां के सभी राजनीतिक दल सोवियत संघ के साथ हमारे देश के मैत्री संबंधों को और अधिक मजबूत देखना चाहते हैं। जनता शासन में, कुछ क्षेत्रों में व्यक्त आशंकाओं को झुठलाते हुए इन संबंधों में अधिक गहराई तथा व्यापकता लाई गई थी, किंतु सोवियत संघ के साथ द्विपक्षी संबंधों को अधिक अर्थपूर्ण तथा लाभदायक बनाना एक बात है और यह भाव पैदा होने देना बिलकुल दूसरी बात कि विश्व की घटनाओं के बारे में सोवियत संघ से पृथक् हमारे देश का अपना कोई युद्ध-नीतिक बोध नहीं है।

अफगानिस्तान में सोवियत सैनिक हस्तक्षेप और उसके विरुद्ध अमेरिका तथा उससे जुड़े अन्य देशों की प्रतिक्रिया से इस भूखंड में जो नई परिस्थिति पैदा हुई थी, उसके प्रकाश में भारत और पाकिस्तान- दोनों को भूतकाल को भूलकर अपने संबंधों में एक नए अध्याय का आरंभ करना चाहिए था। यह अफसोस की बात है कि दोनों देशों के नेतृत्व ने उस ऐतिहासिक अवसर को हाथ से जाने दिया। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि खैबर के दर्रे पर सोवियत सेना की उपस्थिति से उसकी सुरक्षा के लिए उत्पन्न संकट का निराकरण-विश्व में जहां से भी मिले, वहां से हथियार एकत्र करने से नहीं होगा।

मजबूत पाकिस्तान भारत के हित में

हमारे देश को यह समझ लेना है कि इसके और सोवियत संघ के बीच बफर के रूप में विद्यमान पाकिस्तान की स्थिरता तथा सुदृढ़ता उसके हित में है। पाकिस्तान की वर्तमान कठिनाई से लाभ उठाने की लालसा आखिर भारत के लिए ही बहुत महंगी पड़ सकती है।

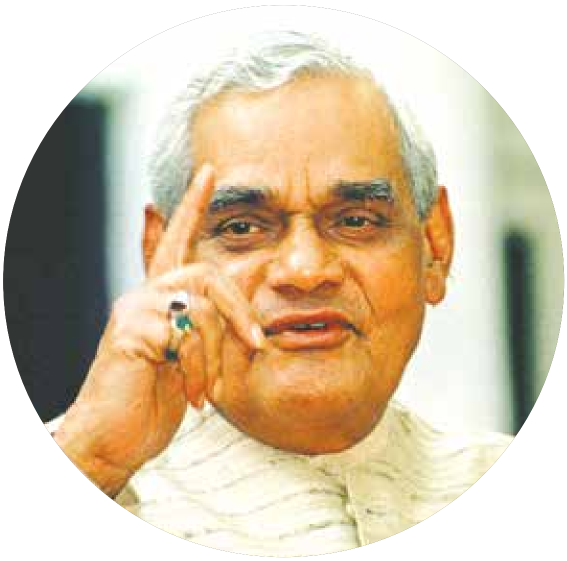

पाकिस्तान के साथ संबंधों में उत्पन्न गतिरोध को दूर करने के लिए पहल भारत सरकार को करनी चाहिए। भाजपा के उपाध्यक्ष श्री जेठमलानी जब कुछ मास पूर्व अफगान शरणार्थियों की समस्याओं के संबंध में पाकिस्तान गए थे, तब पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया ने भारत के पाकिस्तान स्थित राजदूत की उपस्थिति में, उनसे कहा था कि पाकिस्तान युद्ध नहीं, समझौता करने के लिए तैयार है। हमें इस मामले को आगे बढ़ाना चाहिए था। हमें पीकिंग के साथ भी उच्च स्तर पर फिर से वार्त्तालाप प्रारंभ करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में दृढ़ता और निर्भीकता

तेजी से बिगड़ती हुई अंतरराष्ट्रीय परिस्थिति में भारत किसी सार्थक भूमिका का निर्वाह तभी कर सकता है, जब वह दृढ़ता और निर्भीकता के साथ राष्ट्रों की स्वतंत्रता के अपहरण, सीमाओं के उल्लंघन और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के विरुद्ध असंदिग्ध शब्दों में अपनी आवाज बुलंद करे। इसे अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में भी नैतिक बल से काम लेना चाहिए।

बहानों की तलाश

सभी मोरचों पर अपनी भारी विफलता पर परदा डालने के लिए शासन नित्य नए बहाने गढ़ता है। पहले 6 महीने यह कहकर गुजार दिए गए कि जनता सरकार के 28 महीनों में गाड़ी पटरी से उत्तर गई थी, धरती में धंस गई थी, उसे पुनः पटरी पर लाने में वक्त लगेगा। अगले 6 महीने यह कहकर काटे जा रहे हैं कि क्या करें, विरोधी दल कुछ करने ही नहीं देता!

जनता शासन में दिल्ली में महिलाओं के गले से सोने की जंजीरें छीन लिये जाने की इक्का-दुक्का घटनाओं पर आसमान सर पर उठानेवाले लोग आज दिन-दहाड़े होनेवाली डकैतियों को लूटमार बताने के

लिए कानूनी बाल की खाल खींचने से नहीं झिझकते रंगा और बिल्ला की गिरफ्तारी में हुई देर के विरोध में मेरे माथे को पत्थर से लहूलुहान करनेवाले जयसिंघानी के हत्यारों का पता लगाने, श्रीमती पूर्णिमा सिंह की मृत्यु पर पड़े रहस्य के परदे को उठाने तथा निरंकारी बाबा की हत्या के लिए उत्तरदायी सभी अपराधियों को गिरफ्तार करने में पुलिस प्रशासन की विफलता के खिलाफ मुंह तक नहीं खोलते।

बिहार में पिपरा और परसबीघा की पीड़ा, बेलछी की पीड़ा से किसी मात्रा में कम नहीं थी। किंतु वहां जाने के लिए प्रधानमंत्री को सरकारी हेलीकॉप्टर का उपयोग करने का भी ध्यान नहीं आया, जब बेलछी जाने के लिए हाथी की सवारी करने में भी उन्हें संकोच नहीं हुआ नारायणपुर के कांड के लिए विरोधी दल की सरकार को बरखास्त करनेवाली प्रधानमंत्री मुरादाबाद में सैकड़ों लोगों की हत्या को रोकने में विफल प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री का त्यागपत्र मंजूर करने के लिए भी तैयार नहीं हुई। आज वे विरोधी दलों पर हर घटना का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप करते हुए नहीं थकतीं। किंतु उन्होंने स्वयं नारायणपुर में क्या कहा था— इसे वे सरलता से भूल गई जान पड़ती हैं। उन्होंने कहा था कि यदि सरकार गलती करती है तो विरोधी दल उसका फायदा क्यों न उठाएं!

किसान संघर्ष

वस्तुस्थिति यह है कि देश के विभिन्न भागों में जन-आंदोलनों की जो लहर आई है, यह स्वयंस्फूर्त है। असम में विदेशियों की घुसपैठ के विरुद्ध पिछले एक वर्ष से चल रहा आंदोलन, जिसने जन समर्थन तथा जन सहयोग की व्यापकता की दृष्टि से स्वतंत्रता आंदोलन को बनाए रखने के लिए कटिबद्ध युवाशक्ति का एक राष्ट्रीय अनुष्ठान है। दलगत राजनीति अथवा राजनीतिक दलों से उसका कोई संबंध नहीं है।

कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश आदि में किसान अपनी मांगों को मनवाने के लिए जो संघर्ष कर रहे हैं, वह राजनीतिक दलों द्वारा प्रेरित नहीं है। सभी किसान चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध हों; इसमें सत्तारूढ़ दल से जुड़े हुए किसान भी शामिल हैं, इस लड़ाई में भाग ले रहे हैं।

आसमान छूती महंगाई

पिछले कुछ वर्षों में किसानों की आर्थिक स्थिति बिगड़ी है। रासायनिक खाद, पानी, बिजली, डीजल, बीज आदि के दाम बढ़े हैं, किंतु उस अनुपात में उपज के मूल्य नहीं बढ़े। अकृषि वस्तुओं की भारी महंगाई ने भी किसान को बुरी तरह प्रभावित किया है। वह उत्पादक के साथ उपभोक्ता भी है।

ग्रामीण ऋणग्रस्तता

ग्रामीण ऋणग्रस्तता के आंकड़े चौंकानेवाले हैं। कुछ वर्ष पहले ग्रामीण क्षेत्र में जो ऋण बकाया थे, उनकी राशि 750 करोड़ रुपए थी। अब यह बढ़कर 6000 करोड़ रुपए हो गई है। 85 फीसदी किसान कर्ज में डूबे हैं। भारतीय जनता पार्टी किसानों की लाभप्रद मूल्यों की मांग को सर्वथा उचित समझती है और उसका पूरी तरह समर्थन करती है।

जब तक गन्ना और चीनी, कपास और कपड़ा, मूंगफली और वनस्पति तेल, और जूट से बने सामान की कीमतों में कोई अनुपात कायम नहीं किया जाता, तब तक कच्चे माल के उत्पादकों का शोषण होता रहेगा और औद्योगिक माल के निर्माता अंधाधुंध मुनाफा कमाते रहेंगे।

कपास की गिरती कीमतें

पिछले कुछ वर्षों में कपड़े के दामों में तीन गुना वृद्धि हुई है, किंतु कपास के दाम गिरे हैं। आंध्र प्रदेश का प्रसिद्ध कपास वरलक्ष्मी, जिसकी कीमत पहले 1200-1500 रुपया प्रति क्विंटल थी, अब 500 रुपए तक नीचे आ गई है। जूट उत्पादन का लागत मूल्य 192 रुपए प्रति टन है, जबकि सरकार द्वारा निश्चित कीमत मात्र 150 रुपए प्रति टन है।

आंध्र प्रदेश में सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 105 रुपए प्रति क्विंटल तय किया था, किंतु खरीद का समुचित प्रबंध न होने के कारण किसानों को अपना धान 75 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से बेचने के लिए विवश होना पड़ा। यह स्थिति अन्यत्र तथा अन्य फसलों के सिलसिले में भी हुई है।

कृषि उत्पाद मूल्य

कृषि मूल्य आयोग अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल रहा है। उसे भंग कर दिया जाए और एक नई संस्था का गठन किया जाए, जो कृषि उपज के मूल्य का निर्धारण करते समय लागत खर्च के साथ-साथ औद्योगिक माल की कीमतों, किसान के बढ़ते हुए खर्चों तथा उसकी आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखे।

किसानों में जागृति

सदियों की तंद्रा त्यागकर किसान अपना न्यायोचित अधिकार पाने के लिए उठ खड़ा हुआ है। देश को अन्न की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने और अरबों की विदेशी मुद्रा बचाने का श्रेय किसानों को है। छोटे-बड़े के आधार पर किसान आंदोलन में फूट डालने या ग्रामीण उत्पादक तथा शहरी उपभोक्ता के बीच भेद पैदा करने की कोशिश सफल नहीं होगी। आंदोलन से ग्रामीण क्षेत्रों में फैली भूमिहीन मजदूरों को भी लाभान्वित करेगी।

खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि

सरकार को चाहिए कि किसानों को विश्वास में ले और उनके साथ परामर्श करके अन्नोत्पादन को दुगुना करने का एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाए। विश्व काफी लंबे समय तक अन्न की कमी से पीड़ित रहनेवाला है। अन्न का बड़ा निर्यातक देश बनने की पूरी संभावनाएं हमारे देश में विद्यमान है। ■

क्रमशः

मोदी सरकार ने परिवर्तन के लिए कैसे आवश्यक चुनौतियों पर विजय प्राप्त की

निर्मला सीतारमण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अक्सर कहते हैं, हम यहां सत्ता का आनंद लेने नहीं आए हैं, बल्कि शासन के महत्वपूर्ण अंगों में बुनियादी बदलाव लाने आए हैं। यह साबित करने के लिए नौ साल का समय काफी है कि वह अपनी बात पर खरे उतरे हैं।

एक रिकॉर्ड समय में नयी संसद का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ, धारा 370 को निरस्त किया गया, कोविड के बावजूद अर्थव्यवस्था को दुनिया के शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं के बीच स्थापित किया गया, सार्वजनिक स्वामित्व वाले 10 बैंकों को मिलाकर चार बैंक बनाकर उन्हें दुरुस्त किया गया, माल और सेवा कर (जीएसटी) लागू की गई, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, एक महीने में छह अरब भुगतान लेनदेन देने वाली डिजिटल अवसंरचना, 74 हवाई अड्डों का निर्माण और संचालन, छह विलंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पूर्ण किया गया (एक पांच दशकों से अधिक लटकी हुई), 1,400 पुराने कानूनों को निरस्त किया गया और 39,000 अनुपालन हटाया गया, सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए स्थायी आयोग, अब तक का सबसे अधिक रक्षा निर्यात, अक्षय ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बनना - ये हमारे शासन के दौरान लाये गये मूलभूत परिवर्तनों के कुछ परिणाम हैं।

जिस तरह से सरकारें चलाई जा रही थीं, उसमें मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता कोई मुहावरा तक सीमित नहीं था। सुस्ती, शासन में गतिरोध, गहरी जड़ें जमा चुके थे और मैं कह सकती हूं कि यह अस्थिर सरकारों या वंशवादी शासन का परिणाम है। यह माना जाना चाहिए कि पहले भी बदलावों के लिए प्रयास होते रहे हैं। हालांकि, उनमें बहुत अधिक प्रगति नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी की राजनीतिक इच्छाशक्ति और स्थिरता, दृष्टिकोंण, निर्धारित लक्ष्यों के लिए अथक प्रयास और राष्ट्र को स्वयं से ऊपर रखने के अब परिणाम मिल रहे हैं। दुर्भाग्य से संसद में विपक्ष की भूमिका सकारात्मक नहीं रही है। सदन में बहस और चर्चा के बजाय अदालतों में याचिका दायर करके व्यवधान और देरी करना अधिक हुआ है। जीएसटी, अनुच्छेद 370, टीकाकरण, तीन तलाक, सेंट्रल विस्टा सहित 15 से अधिक मामलों में जोरदार बहस की गई, लेकिन, उनमें से हर एक में केवल उनकी हार हुई है। इनमें से प्रत्येक मामले को लेकर यदि अदालतों में बिताए गए समय को भी जोड़ लें, तो शायद हमने नौ साल से भी कम समय में वंछित परिणाम दिए हैं।

> **एक रिकॉर्ड समय में नयी संसद का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ, धारा 370 को निरस्त किया गया, कोविड के बावजूद अर्थव्यवस्था को दुनिया के शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं के बीच स्थापित किया गया**

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि नौ वर्षों में से तीन वर्षों में ऐसी चुनौतियां सामने आयी जो हमारे नियंत्रण से बाहर थीं। महामारी और इसकी दूसरी लहर, ईंधन और उर्वरक की कीमतों में उतार-चढ़ाव और यूक्रेन युद्ध का वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ा है। हमारी बड़ी आबादी को रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करने के लिए समय पर उनके टीकाकरण की आवश्यकता थी। इसके बाद, समयानुसार हमनें नागरिकों के टीकाकरण को देखते हुए अपना पूरा ध्यान पर्याप्त संख्या में कोविड टीकों के निर्माण पर लगाया। भारत ने सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया जिसमें 220 करोड़ टीके निःशुल्क लगाए गए। एक ओर प्रधानमंत्री ने टीकों के तेजी से विकास और उत्पादन को दृढ़ता से समर्थन और प्रोत्साहित दिया, तो दूसरी ओर उनके पास एक अन्य संवेदनशील काम भी था। उन्होंने नागरिकों का उन पर जो भरोसा है, उसके आधार पर सभी नागरिकों से टीकाकरण करवाने का आग्रह किया। टीकाकरण के लिए तैयार नीति के अनुसार जब वह स्वयं पात्र बनें तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से टीकाकरण करवाया। यह क्यों जरूरी था? क्योंकि, कुछ विपक्षी दलों ने संदेह जताकर नागरिकों में वैक्सीन को लेकर झिझक पैदा करने का प्रयास किया था।

नई संसद में अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने एक उदाहरण देते हुए बात कही: आम लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए यदि सांसदों को एक नए सदन की आवश्यकता होती है, तो लोगों को रहने के लिए पक्के घर की आवश्यकता होती है। इन नौ सालों में 3.5 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाए गए हैं। 11.72 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 100 प्रतिशत संतृप्ति हासिल की गई है। 12 करोड़ परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध

कराया गया है।

अथक परिश्रम कर भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म कर, वादों को पूरा कर और लगातार उत्तरदायी रहकर ही प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों का विश्वास अर्जित किया है। मुसीबत में पड़े लोगों के साथ खड़े रहकर भी भरोसा कमाया जाता है। कोविड के दौरान दुनिया के विभिन्न हिस्सों में फंसे 2.97 करोड़ भारतीयों को सुरक्षित घर वापस लाया गया। इसी तरह, 20,000 से अधिक भारतीय जो संकटग्रस्त देशों में फंसे हुए थे, उन्हें वापस लाया गया।

हमारे युवाओं को दिया गया प्रोत्साहन और समर्थन विभिन्न वैश्विक आयोजनों के माध्यम से आये परिणामों में दिख रहा है। निर्मित और चल रहे उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या चौंका देने वाली है: 700 मेडिकल कॉलेज, 15 एम्स, 69,000 से अधिक मेडिकल सीटें, 7 आईआईटी, 7 आईआईएम, 15 आईआईआईटी और 390 विश्वविद्यालय।

मछली उत्पादन जैसे कई क्षेत्रों में दक्षता में वृद्धि हुई है। उत्पादन स्तर को 59.14 लाख टन तक ले जाने में जहां 63 साल लगे थे, वहीं केवल नौ वर्षों में हमने 59.89 लाख टन उत्पादन को इसमें जोड़ा है और विश्व स्तर पर अब हम तीसरे स्थान पर हैं।

हम फल और सब्जी उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। हमारा डेयरी क्षेत्र जो आज आठ करोड़ से अधिक किसानों को रोजगार देता है, विश्व दूध उत्पादन में पहले स्थान पर है। भारत वैश्विक दूध उत्पादन में 22 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। हम दुनिया के दूसरे सबसे बड़े शहद उत्पादक हैं। भारतीय पोल्ट्री क्षेत्र अंडा उत्पादन में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है।

अपने पात्र लाभार्थियों के निर्धारित लाभों को सुनिश्चित करने के लिए चोरी को समाप्त करना एक जिम्मेदार सरकार का कर्तव्य है। करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग रोकना होगा। इसको देखते हुए 3.99 करोड़ डुप्लीकेट/फर्जी राशन कार्ड और 4.11 करोड़ फर्जी एलपीजी कनेक्शन रद्द किए गए। इससे 2.73 लाख करोड़ रुपए (2021-22) से ज्यादा की बचत हुई है। इन नौ सालों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए कुल 29 लाख करोड़ से ज्यादा राशि ट्रांसफर की गयी है। महामारी के बाद से दो साल तक 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज और दाल दी गई, ताकि हमारे नागरिक भूखे न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को व्यापक और उद्देश्यपरक देखना हमारी सरकार की पहचान है। वे दिन गए जब रक्षा मंत्री कहा करते थे कि बलों को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के लिए हमारे पास कोई संसाधन नहीं हैं। हमारी सीमावर्ती सड़कें और गांव अविकसित रह गए थे, क्योंकि हमें बताया गया था कि विकसित होने पर वे दुश्मन के काम आएंगे। अब, पीएम गति शक्ति और भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) संसाधन दक्षता और वास्तविक समय पर निगरानी कर रहे हैं।

महिला सशक्तीकरण में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। पहली बार प्रति 1000 पुरुषों पर 1020 महिलाएं हैं। मातृ मृत्यु दर घटकर 97 (2019-20) हो गई है। मुद्रा योजना के तहत 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। सवेतन मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया गया है। जन औषधि केंद्रों ने 27 करोड़ से अधिक सैनिटरी पैड वितरित किये हैं। अब सैनिक स्कूलों में लड़कियों की भर्ती प्रक्रिया आरंभ की गयी है।

पिछले नौ साल भारत को उस निराशाजनक दलदल से बाहर निकालने के लिए समर्पित रहे, जिसमें इसे फेंका गया था। अगले 25 वर्षों में इंडिया@100 के लिए इसी तरह के समर्पित, भ्रष्टाचार मुक्त शासन की आवश्यकता है। नीतियों की स्थिरता और निरंतरता महत्वपूर्ण है। एक सेवक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को वह स्थिरता दी है। ■

(लेखिका केंद्रीय वित मंत्री हैं)

2022-23 विपणन मौसम में धान की खरीद के लिए 159,659.59 करोड़ रुपये के एमएसपी का किया गया भुगतान

खरीफ विपणन मौसम 2022-23 (22.05.2023 तक) तक चावल का उत्पादन 1308.37 एलएमटी (दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार), चावल के खरीद का अनुमान 626.06 एलएमटी और खरीदे गए चावल की मात्रा 520.63 लाख मीट्रिक टन है। खरीफ विपणन मौसम 2022-23 (22.05.2023 तक) में इसके द्वारा 159,659.59 करोड़ रुपये के एमएसपी का भुगतान किया गया और इसके माध्यम से 1,12,96,159 किसानों का लाभ प्राप्त हुआ।

धान की खरीद करने वाली सरकारी नीति का व्यापक उद्देश्य किसानों को उसका न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करना एवं कमजोर वर्गों को वहन करने योग्य वाली कीमत पर उनको भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से प्रभावी बाजार मध्यवर्तन भी सुनिश्चित किया जाता है, जिससे अनाज की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जा सके और देश की समग्र खाद्य सुरक्षा को भी बढ़ावा दिया जा सके।

एमएसपी का भुगतान सीधे किसानों के खाते में सुनिश्चित किया गया है। डीबीटी के माध्यम से काल्पनिक किसानों की संख्या को समाप्त किया गया है और भुगतान के गलत व्यक्ति के पास जाने एवं दोहराव को नगण्य किया गया है, क्योंकि अब भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में किया जा रहा है। ■

गौ-आधारित प्राकृतिक खेती–समय की मांग

राजकुमार चाहर

आत्मनिर्भर भारत हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना है। आत्मनिर्भर तभी बन सकते हैं, जब हमारी कृषि, हमारा हर एक किसान आत्मनिर्भर हो। ऐसा तभी संभव है जब हम रासायनिक कृषि की जगह प्राकृतिक कृषि के सिद्धांतों को आत्मसात करें एवं प्राकृतिक खेती को एक जनांदोलन का स्वरूप दें। भारतीय संस्कृति में आदिकाल से ही कृषि में गौ उत्पादों जैसे गोबर और गौमूत्र का प्रयोग होता रहा है। ऋग्वेद में कहा गया है— "गावो विश्वस्य मातरः" अर्थात गाय विश्व की माता है और यह विश्व का पोषण करनेवाली है। विष्णु पुराण में कहा गया है— "सर्वेषामेव भूताना गावः शरणमुत्तमम्" अर्थात् सभी प्राणियों के लिए सर्वोत्तम आश्रय है। समयांतर में भारत की कृषि पद्धति में अत्यधिक परिवर्तन हुआ है। भारत की लगातार बढ़ती जनसंख्या के कारण उत्पादन क्षमता बढ़ाने के दबाव में अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों, हानिकारक कीटनाशकों एवं अधिकाधिक भूजल उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति, उत्पादन, भूजल स्तर और मानव स्वास्थ्य में निरंतर गिरावट आई है।

किसान बढ़ती लागत एवं बाजार पर निर्भरता के कारण खेती छोड़ रहे थे और आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो रहे थे, परंतु मोदीजी की किसान हितेषी नीतियों और गौ आधारित प्राकृतिक कृषि पर निरंतर किए जा रहे कार्यों के कारण देश किसान खुशहाल हो रहा है। वर्तमान समय में ऐसी कृषि पद्धति की आवश्यकता बनती है, जिसमें लागत कम हो, उपज अधिक हो, उत्पन्न खाद्यान्न की गुणवत्ता उच्च कोटि की हो, मानव स्वास्थ्य अच्छा बना रहे एवं पर्यावरण भी समृद्ध बना रहे। गौ-आधारित प्राकृतिक खेती में खेत के लिए बाजार से कुछ भी नहीं खरीदना, अपितु कृषक के पास उपलब्ध संसाधनों द्वारा देसी गाय आधारित कृषि पर बल देना है। प्राकृतिक कृषि भारत के लिए कोई नई चीज़ नहीं है। यह प्राचीनकाल से भारतीय संस्कृति, भारतीय सभ्यता और हमारी परंपराओं का अंग है। हमारे वेदों, पुराणों, उपनिषदों में प्राकृतिक खेती के ज्ञान का खजाना मिलता है। यह खेती हमारी जड़ों से जुड़ी है। हमारे पूर्वज सदियों पहले से प्राकृतिक खेती करते रहे हैं।

प्राकृतिक खेती को अपनाना है, धरती माता को सुरक्षित बनाना है

भारत तो स्वभाव और संस्कृति से कृषि आधारित देश रहा है। इसीलिए जैसे-जैसे हमारा किसान आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे हमारा देश आगे बढ़ेगा। प्राकृतिक खेती समृद्धि का साधन होने के साथ ही साथ हमारी धरती मां का सम्मान और सेवा भी है। हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी कहते हैं कि जब आप प्राकृतिक खेती करते हैं तो आप धरती माता की सेवा करते हैं, मिट्टी की क्वालिटी उसकी उत्पादकता की रक्षा करते हैं, जब आप प्राकृतिक खेती करते हैं तो आप प्रकृति और पर्यावरण की सेवा करते हैं, जब आप प्राकृतिक खेती करते हैं तो आपको गौ माता की सेवा का भी सौभाग्य मिलता है।

प्राकृतिक खेती किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग

प्राकृतिक खेती पद्धति किसानों के लिए समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। जिस तरह जंगल में पौधे प्राकृतिक रूप से फलते-फूलते हैं, उसी तरह खेतों में किसान गौ-आधारित प्राकृतिक पद्धति खेती करके उत्पादन बढ़ाने के साथ ही अपनी जमीन की ऊर्वरा शक्ति भी बढ़ा सकते हैं। आज भारत सरकार खाद पर लगभग ढाई लाख करोड़ रुपए सालाना सब्सिडी दे रही है, जबकि यही राशि देश में विकास के अन्य कार्यों में उपयोग हो सकती है। यदि किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएंगे तो इससे रासायनिक खेती से होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से किसानों की आय में वृद्धि भी संभव है और इसमें 70 प्रतिशत तक जल की बचत भी होती है।

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान

वर्ष 1977 में राष्ट्र संघ ने ग्लोबल वार्मिंग के संबंध में चेताया था, इसके बावजूद ग्लोबल वार्मिंग की समस्या निरंतर बढ़ती जा रही है, परंतु मोदीजी के नेतृत्व में निरंतर जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में विश्व स्तर ऐतिहासिक कार्य किया गया। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का प्रभावी समाधान प्राकृतिक खेती है। आवश्यकता है कि यह बात हर किसान तक पहुंचाई जाए और किसान हर प्रकार से प्राकृतिक खेती को न केवल अपनाएं, बल्कि उसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर इसको जनांदोलन बनाएं।

रासायनिक खाद-कीटनाशक के उपयोग से बढ़ रहे हैं कैंसर जैसे रोग

भूमि की उर्वरा शक्ति ऑर्गेनिक कार्बन पर निर्भर करती है। हरित क्रांति के सूत्रपात केंद्र पंतनगर की भूमि में वर्ष 1960 में ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा 2.5% थी जो आज घटकर 0.6% रह गई है। इसकी मात्रा 0.5% से कम होने पर भूमि बंजर हो जाती है। रासायनिक खाद और कीटनाशक का अंधाधुंध उपयोग फसलों को जहरीला बना देता है। इसी कारण कैंसर जैसे गंभीर रोगों के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। भूमि

की उर्वरा शक्ति बढ़ाने और जहरीले तत्वों से मानव जाति को बचाने के लिए गौ आधारित प्राकृतिक खेती ही सबसे प्रभावी समाधान है। गौ आधारित प्राकृतिक खेती के लिए खाद और कीटनाशक देसी गाय के गोबर और मूत्र से बनते हैं। इनमें दाल का बेसन, मुट्ठी भर मिट्टी और 200 लीटर पानी मिलाना पड़ता है। किसान यह जीवामृत स्वयं तैयार कर सकते हैं। जीवामृत खेत की उर्वरा शक्ति को उसी तरह बढ़ाता है जैसे कि दही की अल्प मात्रा दूध को दही बना देती है। 1 एकड़ भूमि के लिए जीवामृत, देसी गाय के एक दिन के गोमूत्र व गोबर से तैयार हो सकता है। एक गाय से 30 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती की जा सकती है। जीवामृत से उत्पन्न होनेवाली जीवाणु के किसानों सबसे बड़े मित्र हैं। केचुए की सक्रियता भूमि में गहरे तक जल रिसाव को बढ़ाती है, इससे जल संचयन क्षमता भी बढ़ती है।

प्राकृतिक कृषि पद्धति में अनेक समस्याओं का समाधान है

प्राकृतिक कृषि देश की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में 2 लाख किसानों और गुजरात में लगभग 3 लाख किसानों द्वारा प्राकृतिक खेती की जा रही है। प्राकृतिक खेती से जहां पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा, वहीं किसानों की आमदनी दोगुनी और वह सशक्त और खुशहाल बनेंगे। वर्तमान में दुनिया भर में प्राकृतिक कृषि उत्पादों की मांग बढ़ रही है और हमारा लक्ष्य है कि इसका अधिक से अधिक लाभ किसानों को मिले।

80,000 की लागत में कमाये 4.5 लाख रुपये

किसान दाजी गोहिल बताते हैं कि उन्होंने गौ आधारित प्राकृतिक खेती के बारे सुना तो था, लेकिन सही तरीका न पता होने के कारण प्राकृतिक खेती शुरू नहीं कर पाये। इसके बाद साल 2019 में राजकोट के ढोलरा गांव में सुभाष पालेकर का 7 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें ट्रेनिंग लेकर दाजी गोहिल ने प्राकृतिक खेती के गुर सीखे। उन्होंने बताया कि गाय आधारित खेती करने पर शुरुआत में 80,000 तक की लागत आई और आमदनी बढ़कर 4.5 लाख रुपये तक पहुंच गई।

प्राकृतिक कृषि के लिए ध्यान देने योग्य बातें:

- प्राकृतिक कृषि में देशी बीज ही प्रयोग करें। हाइब्रिड बीजों से अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे।
- प्राकृतिक कृषि में भारतीय नस्ल का देसी गोवंश ही उपयोग करें। जर्सी या होलस्टीन आदि हानिकारक है।
- पौधों व फसल की पंक्ति की दिशा उत्तर-दक्षिण हो। दलहन फसलों की सह फसलें करनी चाहिए।
- यदि किसी दूसरे स्थान पर बनाकर खाद (कंपोस्ट) लाकर खेतों में डाला जाएगा तो, मिट्टी में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु निष्क्रिय हो जाएंगे। पौधों का भोजन जड़ के निकट ही बनना चाहिए, तब भोजन लेने के लिए जड़ें दूर तक जाएंगी और लंबी व मजबूत बनेंगी, परिणामस्वरूप पौधा भी लंबा और मजबूत बनेगा। ■

(लेखक भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं)

2022-23 के लिए 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन अनुमानित

चावल, गेहूं, मक्का, सोयाबीन, रेपसीड एवं सरसों व गन्ने का रिकार्ड उत्पादन अनुमानित

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने कृषि वर्ष 2022-23 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान जारी कर दिए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 25 मई को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार चालू कृषि वर्ष में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है।

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार 2022-23 के लिए मुख्य फसलों के अनुमानित उत्पादन इस प्रकार हैः

- **खाद्यान्न – 3305.34 लाख टन (रिकॉर्ड)**
- **चावल – 1355.42 लाख टन (रिकॉर्ड)**
- **गेहूं – 1127.43 लाख टन (रिकॉर्ड)**
- बाजरा – 111.66 लाख टन
- पोषक/मोटे अनाज – 547.48 लाख टन
- मक्का – 359.13 लाख टन (रिकॉर्ड)
- कुल दलहन – 275.04 लाख टन
- तिलहन – 409.96 लाख टन (रिकॉर्ड)
- सोयाबीन – 149.76 लाख टन (रिकॉर्ड)
- रेपसीड एवं सरसो – 124.94 लाख टन (रिकॉर्ड)
- गन्ना – 4942.28 लाख टन (रिकॉर्ड)

वर्ष 2022-23 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 3305.34 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष 2021-22 की तुलना में 149.18 लाख टन अधिक है।

वर्ष 2022-23 के दौरान चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन अनुमानित है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 60.71 लाख टन अधिक है।

देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 50.01 लाख टन अधिक है। ■

प्रधानमंत्री ने ओडिशा का दौरा किया और दुःखद रेल दुर्घटना के बाद बचाव और राहत कार्यों की समीक्षा की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तीन जून को ओडिशा का दौरा किया और बालासोर में दुःखद ट्रेन दुर्घटना के बाद चल रहे बचाव और राहत कार्यों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना स्थल और अस्पताल का दौरा किया जहां घायलों का उपचार चल रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि रेलगाड़ियों में यात्रा कर रहे विभिन्न राज्यों के लोग इस भीषण त्रासदी से प्रभावित हुए हैं। दुर्घटना में मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि घायलों को हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपनों को खोने वाले शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है।

श्री मोदी ने दुर्घटना की त्वरित जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने तुरंत राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए ओडिशा सरकार, स्थानीय प्रशासन और स्थानीय लोगों, विशेष रूप से युवाओं के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने रात भर बचाव कार्य में सहयोग किया।

प्रधानमंत्री ने घायलों की सहायता के लिए बड़ी संख्या में रक्त दान के लिए पहुंचे स्थानीय नागरिकों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्यों के साथ-साथ रेल विभाग, रेल मार्ग पर शीघ्र यातायात बहाल करने के लिए कार्य कर रहा है। स्थानीय अधिकारियों, आपदा राहत बल के कर्मियों और रेलवे अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए श्री मोदी ने भीषण त्रासदी से निपटने के लिए सरकार की पुरजोर सहायता का आश्वासन दिया।

यह भयावह रेल हादसा अत्यंत ही दुखद और मन को शोकाकुल कर देने वाला है: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ओडिशा रेल हादसे पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा, "ओडिशा के बालासोर में कल शुक्रवार शाम को हुआ भयावह रेल हादसा अत्यंत ही दुःखद और मन को शोकाकुल कर देने वाला है। मैं इस हृदय विदारक घटना से मर्माहत हूं। इस भीषण रेल दुर्घटना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के साथ-साथ देश भर में होने वाले अपने सारे कार्यक्रमों को आज के लिए स्थगित कर दिया है। मैं परमपिता परमेश्वर से शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें।" ■

नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि प्राइम' का सफल उड़ान परीक्षण

नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि प्राइम' का रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा 07 जून, 2023 को ओडिशा के तट के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया। उड़ान परीक्षण के दौरान सभी उद्देश्य सफलतापूर्वक प्रदर्शित हुए।

यह मिसाइल के तीन सफल विकास परीक्षणों के बाद यूजर्स द्वारा आयोजित पहला प्री-इंडक्शन नाइट लॉन्च था, जो सिस्टम की सटीकता और विश्वसनीयता को मान्य करता है। रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल

ट्रैकिंग सिस्टम जैसे रेंज इंस्ट्रूमेंटेशन को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया था, जिसमें दो डाउन-रेंज जहाज शामिल थे, ताकि वाहन के पूरे प्रक्षेपवक्र को कवर करने वाले उड़ान डेटा को कैप्चर किया जा सके।

डीआरडीओ और सामरिक बल कमान के वरिष्ठ अधिकारियों ने सफल उड़ान परीक्षण को देखा, जिसने सशस्त्र बलों में प्रणाली को शामिल करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और सशस्त्र बलों को नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि प्राइम' की सफलता के साथ-साथ कॉपी-बुक प्रदर्शन के लिए बधाई दी। ■

भारत की शक्ति इसकी विविधता में है: नरेन्द्र मोदी

हमारे सफाईकर्मी भाई-बहन हों या फिर अलग-अलग क्षेत्रों के दिग्गज, 'मन की बात' ने सबको एक साथ लाने का काम किया है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को 'मन की बात' कार्यक्रम के 101वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने 'युवासंगम' पहल, जल संरक्षण व अनेक अभिनव प्रयोगों पर चर्चा की। साथ ही, श्री मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर, संत कबीरदास व देश के लोकप्रिय जननेता व फिल्मजगत की हस्ती एन.टी. रामाराव के बाते में भी बातें कीं।

श्री मोदी ने कहा कि इस बार 'मन की बात' का ये एपिसोड 2nd सेंचुरी का प्रारंभ है। पिछले महीने हम सभी ने इसकी स्पेशल सेंचुरी को सेलिब्रेट किया है। आपकी भागीदारी ही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी ताकत है। 100वें एपिसोड के प्रसारण के समय एक प्रकार से पूरा देश एक सूत्र में बंध गया था। हमारे सफाईकर्मी भाई-बहन हों या फिर अलग-अलग क्षेत्रों के दिग्गज, 'मन की बात' ने सबको एक साथ लाने का काम किया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की शक्ति इसकी विविधता में है। हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। इसी को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने 'युवासंगम' नाम से एक बेहतरीन पहल की है। इस पहल का उद्देश्य लोगों से संबंध (People to People Connect) बढ़ाने के साथ ही देश के युवाओं को आपस में घुलने-मिलने का मौका देना।

उन्होंने कहा कि विभिन्न राज्यों के उच्च शिक्षा संस्थानों को इससे जोड़ा गया है। 'युवासंगम' में युवा दूसरे राज्यों के शहरों और गावों में जाते हैं, उन्हें अलग-अलग तरह के लोगों के साथ मिलने का मौका मिलता है। युवासंगम के प्रथम चक्र में लगभग 1200 युवा देश के 22 राज्यों का दौरा कर चुके हैं। जो भी युवा इसका हिस्सा बने हैं, वे अपने साथ ऐसी यादें लेकर वापस लौट रहे हैं, जो जीवनभर उनके ह्रदय में बसी रहेंगी।

50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों का हो चुका निर्माण

मन की बात के दौरान श्री मोदी ने कहा कि हम सबने एक कहावत कई बार सुनी होगी, बार-बार सुनी होगी— बिन पानी सब सून। बिना पानी जीवन पर संकट तो रहता ही है, व्यक्ति और देश का विकास भी ठप्प पड़ जाता है। भविष्य की इसी चुनौती को देखते हुए आज देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। हमारे अमृत सरोवर इसलिए विशेष हैं, क्योंकि ये आजादी के अमृत काल में बन रहे हैं और इसमें लोगों का अमृत प्रयास लगा है। आपको जानकर अच्छा लगेगा कि अब तक 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों का निर्माण भी हो चुका है। ये जल संरक्षण की दिशा में बहुत बड़ा कदम है।

वीर सावरकर का विशाल व्यक्तित्व

श्री मोदी ने कहा कि आज 28 मई को महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर जी की जयंती है। उनके त्याग, साहस और संकल्प-शक्ति से जुड़ी गाथाएं आज भी हम सबको प्रेरित करती हैं। मैं वो दिन भूल नहीं सकता, जब मैं अंडमान में उस कोठरी में गया था जहां वीर सावरकर ने कालापानी की सजा काटी थी। वीर सावरकर का व्यक्तित्व दृढ़ता और विशालता से समाहित था। उनके निर्भीक और स्वाभिमानी स्वभाव को गुलामी की मानसिकता बिल्कुल भी रास नहीं आती थी। स्वतंत्रता आंदोलन ही नहीं, सामाजिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए भी वीर सावरकर ने जितना कुछ किया उसे आज भी याद किया जाता है।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन बाद 4 जून को संत कबीरदास जी की भी जयंती है। कबीरदास जी ने जो मार्ग हमें दिखाया है, वो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। श्री मोदी ने कहा कि संत कबीर ने समाज को बांटने वाली हर कुप्रथा का विरोध किया, समाज को जागृत करने का प्रयास किया। आज, जब देश विकसित होने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तो हमें संत कबीर से प्रेरणा लेते हुए समाज को सशक्त करने के अपने प्रयास और बढ़ाने चाहिए।

साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि अब मैं आपसे देश की एक ऐसी महान हस्ती के बारे में चर्चा करने जा रहा हूं, जिन्होंने राजनीति और फिल्म जगत में अपनी अद्भुत प्रतिभा के बल पर अमिट छाप छोड़ी। इस महान हस्ती का नाम है एन.टी. रामाराव, जिन्हें हम सभी एन.टी.आर के नाम से भी जानते हैं। आज एन.टी.आर की 100वीं जयंती है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के बल पर वो न सिर्फ तेलुगु सिनेमा के महानायक बने, बल्कि उन्होंने करोड़ों लोगों का दिल भी जीता। ■

सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना को मिली मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 31 मई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के मेल से 'सहकारिता के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना' के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समिति (आईएमसी) के गठन और सशक्तीकरण को मंजूरी प्रदान की।

योजना का प्रोफेशनल तरीके से समयबद्ध और एकरूपता के साथ कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय देश के विभिन्न राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों में कम से कम 10 चुने हुए जिलों में एक पायलट परियोजना चलाएगा। यह पायलट प्रोजेक्ट, इस योजना की विभिन्न क्षेत्रीय आवश्यकताओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा, जिसे इस योजना के देशव्यापी कार्यान्वयन में शामिल किया जाएगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि यह अत्यंत दूरदर्शी निर्णय है, जो एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और खाद्यान्नों से संपन्न भारत की नींव रखेगा। कृषि भंडारण क्षमता की कमी से खाद्यान्नों की बर्बादी होती है और किसानों को मजबूरन अपनी फसलों को कम दाम पर बेचना पड़ता है। इस निर्णय से अब किसानों को आधुनिक अन्न भंडारण की सुविधा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के माध्यम से उनके ब्लॉक में मिलेगी, जिससे वे अपने अनाज का उचित मूल्य प्राप्त कर पाएंगे।

श्री शाह ने कहा कि पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्त्वपूर्ण धुरी हैं। इस योजना से देश को खाद्यान्न सुरक्षा मिलेगी और सहकारिता से जुड़े करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचेगा। इस योजना से पैक्स भंडारण के साथ-साथ कई अन्य कार्य, जैसे— फेयर प्राइस शॉप व कस्टम हायरिंग केन्द्रों की तरह भी काम कर पाएंगे।

इस ऐतिहासिक निर्णय से किसानों को निम्नलिखित लाभ प्राप्त होंगे:

1. किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कुछ अग्रिम भुगतान प्राप्त कर अपनी फसल पैक्स को बेच सकते हैं और पैक्स द्वारा बाजार में खाद्यान्नों की बिक्री के उपरांत शेष राशि प्राप्त कर सकते हैं, या
2. किसान अपनी फसल का भंडारण पैक्स द्वारा प्रबंधित गोदाम में कर सकते हैं और फसल के अगले चक्र के लिए वित्त सुविधा प्राप्त कर सकते हैं तथा अपनी फसल को अपनी इच्छानुसार समय पर बेच सकते हैं, या
3. किसान अपनी पूरी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पैक्स को बेच सकते हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : ....

पूरा पता : ....

....

.... **पिन :** ....

दूरभाष : .... **मोबाइल : (1)**...................... **(2)**......................

ईमेल : ....

सदस्यता	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :...................... दिनांक :...................... बैंक : ....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में 27 मई, 2023 को नीति आयोग की 8वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

29 मई, 2023 को न्यू जलपाईगुड़ी और गुवाहाटी के बीच असम की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 28 मई, 2023 को नए संसद भवन में अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 30 मई, 2023 को कंबोडिया के राजा श्री नोरोडोम सिहामोनी से मुलाकात करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 01 जून, 2023 को नेपाल के प्रधानमंत्री श्री पुष्प कमल दहल के साथ बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 14 जून, 2023
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह